सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" संस्कार दिए बिना सुविधाएं देना पतन का कारण है...!!

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-222 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 31 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

प्रदेश में दर्जन भर बांध लबालब, माड़मसिल्ली के ऑटोमेटिक गेट खुले, गंगरेल में भी गेट खोलने की नौबत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में लगातार अच्छी बारिश के बाद बांधों की स्थिति मजबूत हो गई है। प्रदेश के 46 प्रमुख और मध्यम बांधों में कुल 87.81 प्रतिशत पानी भर चुका है। पिछले साल इसी अवधि में 84.95 प्रतिशत और 2024 में 85.72 प्रतिशत जलभराव था। जल संसाधन विभाग के अनुसार 46 बांधों की कुल क्षमता 6360.23 मिलियन घनमीटर के मुकाबले वर्तमान में 5584.98 मिलियन घनमीटर पानी उपलब्ध है। प्रमुख 12 बड़े बांधों में 88.86% और 34 मध्यम बांधों में 82.23% भराव है। लगभग एक दर्जन बांध 100% भरकर लबालब हो गए हैं।

गंगरेल 91% पार, दुधावा-सोंदूर में भी बढ़त

धमतरी जिले में गंगरेल और माड़मसिल्ली लगभग पूरी क्षमता पर हैं। 32 टीएमसी क्षमता वाले गंगरेल में 91% से अधिक जलभराव हो चुका है और 3548 क्यूसेक पानी की आवक जारी है। जलस्तर ऐसे ही बढ़ा तो जल्द ही गेट खोलने पड़ सकते हैं। 10.192 टीएमसी क्षमता वाले दुधावा में 82.73% और 6.995 टीएमसी वाले सोंदूर में 68.90% पानी भर चुका है।

प्रमुख जलाशयों की स्थिति

- खारंग, कोडार, मनियारी - 100%
- मुरुमसिल्ली - 98.82%
- मिनिमाता बांगो - 90.78%
- रविशंकर सागर (गंगरेल) - 90.72%
- तांदुला - 78.73%, दुधावा - 82.37%, सिकासार - 81.43%, सोंदूर - 68.77%, केलो - 37.03%

बड़े बांधों से निकासी

बांगो - स्पिलवे से 1258.40 क्यूमेक, नहर से 23.40 क्यूमेक
रविशंकर सागर - पेनस्टॉक से 940 क्यूमेक, नहर से 43 क्यूमेक
तांदुला - 877 क्यूमेक अन्य निकासी
मुरुमसिल्ली - साइफन से 722 क्यूमेक
कोडार - 1174 क्यूमेक
केलो - 1156 क्यूमेक

माड़मसिल्ली में एयर प्रेशर से खुले गेट

5.849 टीएमसी क्षमता वाले माड़मसिल्ली में 98.82% भराव के बाद ऑटोमेटिक साइफन सिस्टम सक्रिय हो गया है। 98% भराव के बाद एयर प्रेशर से गेट अपने आप खुल गए हैं और भारी मात्रा में पानी का बहाव हो रहा है। बांध में कुल 34 गेट हैं और बेबी साइफन सिस्टम शुरू हो गया है। विभाग हालात पर नजर रखे हुए है।

कई बांधों से पानी छोड़ा जा रहा

जलस्तर मेंटेन करने के लिए कई बांधों से पानी छोड़ा जा रहा है। मध्यम जलाशयों में कोसारटेड, मोगरा बैराज, कड़ा नाला, सुखा नाला बैराज, घोंघा, पेंड्रावन, रूसे और घुमरिया नाला बैराज से निकासी जारी है।

मानसून फिर सक्रिय

प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। अलग-अलग हिस्सों में लगातार बारिश से मौसम सुहाना हुआ है, वहीं कई क्षेत्रों में जलभराव की समस्या भी बनी है। मौसम विभाग ने भारी बारिश की आशंका को देखते हुए 7 जिलों सरगुजा, जांजगीर-चांपा, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, बेमेतरा और बलौदाबाजार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तेज और कहीं-कहीं भारी वर्षा की संभावना है। वहीं 18 जिलों कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जशपुर, रायगढ़, कबीरधाम, मुंगेली, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, बालोद, कांकेर, नारायणपुर, कोंडागांव, बीजापुर, दंतेवाड़ा और बस्तर में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को जलभराव को लेकर सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

किसान नेता को मोबाइल कॉल पर धमकी श्री सीमेंट विरोध से हटने का बनाया दबाव

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

श्री सीमेंट फैक्ट्री और चूना पत्थर खनन परियोजना के विरोध में चल रहे किसान आंदोलन के बीच किसान अधिकार संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष वीरेंद्र जंघेल ने जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया है।

जंघेल ने छुईखदान थाने में लिखित शिकायत सौंपी है। शिकायत के अनुसार 29 मई की शाम करीब 6:30 बजे विचारपुर निवासी राजेश जंघेल ने उनके मोबाइल पर 10 से 15 बार कॉल कर गाली-गलौज की और आंदोलन से दूर रहने को कहा। आरोप है कि समिति और आंदोलन से अलग नहीं होने पर घर में घुसकर परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी गई।

शिकायतकर्ता ने बताया कि वह दनिया-अतरिया-हनईबन-उदयपुर परिक्षेत्र की किसान अधिकार संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष हैं। धमकी के बाद से परिवार भयभीत है। उन्होंने कॉल डिटेल और मोबाइल रिकॉर्ड को साक्ष्य बताया है। शिकायत सौंपने बड़ी संख्या में समिति के सदस्य और ग्रामीण थाने पहुंचे थे। समिति ने 3 से 4 दिन में FIR दर्ज कर जांच नहीं होने पर 300 से 400 ग्रामीणों के साथ थाना घेराव की चेतावनी दी है। पुलिस ने आवेदन लेकर जांच शुरू करने की बात कही है। आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद स्पष्ट होगी।

रुक ही नहीं रहा परियोजना का विवाद

गौरतलब है कि श्री सीमेंट परियोजना को लेकर क्षेत्र में किसान संगठनों और ग्रामीणों का विरोध लगातार जारी है। ऐसे में आंदोलन से जुड़े पदाधिकारी को कथित तौर पर धमकी दिए जाने का मामला सामने आने के बाद विवाद और गरमाने के आसार हैं।

UCC पर सुझाव के लिए मुस्लिम समाज की बैठक कल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने की प्रक्रिया शुरू होने के बाद रायपुर मुस्लिम समाज ने सुझाव देने के लिए बैठक बुलाई है। यह बैठक 1 सितंबर मंगलवार को गुरु घासीदास ऑडिटोरियम, वक्फ बोर्ड कार्यालय के सामने, कलेक्ट्रेट चौक रायपुर में होगी।

राज्य शासन ने UCC के लिए राज्य स्तरीय समिति बनाई है। मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवियों के लिखित सुझाव एकत्र कर शाम 4 बजे समिति के सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके लिए सभी मस्जिदों में जुमे के दिन ऐलान कराया गया है। बैठक में शहर काजी डॉ. मोहम्मद इमरान अशरफी मुख्य अतिथि और वरिष्ठ अधिवक्ता फैसल रिजवी अध्यक्षता करेंगे। वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने अपील की है कि समाज के लोग अपने सुझाव दो प्रतियों में लेकर जरूर पहुंचें।

रसोई गैस संकट के बीच भारत के लिए खुशखबरी

अमेरिका-UAE के बाद ये देश बना तीसरा सबसे बड़ा LPG सप्लायर

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

मिडिल ईस्ट में भड़की जंग और समुद्री व्यापारिक मार्गों पर बढ़ते तनाव ने भारत में रसोई गैस (LPG) की सप्लाई चेन को बुरी तरह हिला कर रख दिया है। लेकिन इस वैश्विक संकट के बीच करोड़ों भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने के बाद, भारत ने गैस आपूर्ति के लिए एक नया और मजबूत साथी ढूंढ निकाला है। अमेरिका और यूएई के बाद अब अफ्रीकी देश अल्जीरिया भारत को एलपीजी सप्लाई करने वाला दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है, जिसने मुश्किल वक्त में भारत की ऊर्जा जरूरतों को एक बड़ी संजीवनी दी है।

इंडियन ऑयल की शानदार डील, अब सस्ते में मिलेगी गैस

अल्जीरिया की सरकारी पेट्रोलियम कंपनी 'सोनाट्रैक' दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एलपीजी निर्यातक है। वैश्विक हालात को देखते हुए भारत की दिग्गज सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने सोनाट्रैक के साथ एक बड़ा समझौता किया है। इस अहम डील के तहत साल 2027 में अल्जीरिया हर महीने भारत को 55,000 टन रसोई गैस भेजेगा। सबसे राहत की बात यह है कि अल्जीरिया से मिलने वाली यह गैस सऊदी अरामको द्वारा तय की गई कीमतों के मुकाबले काफी सस्ती होगी। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अगस्त महीने में अल्जीरिया ने भारत को 1.10 लाख टन से अधिक एलपीजी भेजी है, जो देश के कुल आयात का करीब 10 प्रतिशत है।

अमेरिका बना सबसे बड़ा सप्लायर, मिडिल ईस्ट का वर्चस्व टूटा

दशकों तक भारत अपनी रसोई गैस की 90 प्रतिशत जरूरतों के लिए पूरी तरह से पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) पर निर्भर रहा है। लेकिन वहां चल रहे भीषण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। पश्चिमी एशिया से सप्लाई रुकने और आयात आधा रह जाने के कारण भारत सरकार को घरेलू एलपीजी की खरीद पर लिमिट तय करने और नए कनेक्शन पर रोक लगाने जैसे सख्त कदम उठाने पड़े थे। इसी संकट से उबरने के लिए भारत ने अपनी रणनीति बदली और अमेरिका का रुख किया। अब अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एलपीजी सप्लायर बन चुका है। अकेले अगस्त में अमेरिका ने 6.22 लाख टन गैस भारत भेजी है, जो कुल विदेशी आयात का बंपर 57.7 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद दूसरे नंबर पर यूएई काबिज है।

34 करोड़ उपभोक्ताओं के लिए गेमचेंजर साबित होगा यह कदम

भारत दुनिया में घरेलू इस्तेमाल वाली रसोई गैस का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। देश में करीब 34 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जिनकी मांग पूरी करने के लिए हर साल 3.3 करोड़ टन गैस की जरूरत पड़ती है। इसमें से 65 फीसदी हिस्सा भारत विदेशों से खरीदता है, जिस पर सालाना 11 अरब डॉलर का भारी-भरकम खर्च आता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि केवल मिडिल ईस्ट पर निर्भर रहने के बजाय अमेरिका और अल्जीरिया जैसे नए विकल्प तैयार करना भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए मास्टरस्ट्रोक है। वर्तमान में भारत और अल्जीरिया के बीच 1.71 अरब डॉलर का व्यापार होता है, जो इस नई गैस डील के बाद अब एक नए मुकाम पर पहुंचने वाला है।

कसौंधन समाज के सावन तीज मिलन में शामिल हुए इंद्रजीत सिंह छोटू

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महिला कसौंधन वैश्य समाज भिलाई द्वारा सावन तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सर्व समाज कल्याण के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू शामिल हुए और मातृशक्ति एवं बहनों को सावन तीज की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

झीरम कांड में फैसला फिर टला, 5 सितंबर को NIA की स्पेशल कोर्ट सुनाएगी जजमेंट

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी नक्सली हमले में आज NIA की स्पेशल कोर्ट फैसला सुनाने वाली थी लेकिन फैसला आज फिर टल गया। अब 5 सितंबर को फैसला सुनाया जाएगा। इस मामले में कुल 11 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन चला था, जिनमें से एक आरोपी की मौत हो चुकी है। शेष आरोपियों के खिलाफ सुनवाई पूरी हुई है। अभियोजन पक्ष ने मुकदमे के दौरान 101 गवाहों के बयान कोर्ट में दर्ज हो चुका हैं। गवाहों के बयान और दस्तावेजी साक्ष्यों पर अंतिम बहस के बाद कोर्ट ने जजमेंट सुरक्षित रखा था। आज इस पर फैसला आना था लेकिन कोर्ट ने अब 5 सितंबर की तारीख तय की है।

गौरतलब है कि झीरम घाटी हमला छत्तीसगढ़ का सबसे चर्चित और संवेदनशील मामला है। 13 साल से न्याय का इंतजार कर रहे पीड़ित परिवारों सहित पूरे देश की नजर इस फैसले पर टिकी है। आज के फैसले से तय होगा कि कितने आरोपियों को दोषी ठहराया जाता है और कितनों को राहत मिलती है।

नेहरू नगर चौक हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मामूली विवाद के बाद हुई थी चाकूबाजी, तीनों आरोपी पुलिस गिरफ्त में

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शनिवार-रविवार की दरमियानी रात नेहरू नगर चौराहे पर लिफ्ट मांगने पर हुए विवाद के बाद युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने शाम तक नाबिलग बालिका व एक आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं रात होते होते तीसरे व मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इन तीनों ने जिस युवक की हत्या की वह चिचोला में ढाबा चलाता है और घटना के समय नेहरू नगर चौक पर चिचोला जाने के लिए लिफ्ट मांग रहा था। घटना सुपेला थाना क्षेत्र की है।

यह पूरी घटना शनिवार रात लगभग 11:30 बजे की है। मृतक की पहचान 26 वर्षीय शिव कुमार सिंह निवासी कैंप-1 के रूप में हुई। रक्षाबंधन के बाद शनिवार की रात को वह अपने एक दोस्त के साथ नेहरू नगर चौक पहुंचा और चिचोला जाने ट्रक वालों से लिफ्ट मांग रहा था। इस दौरान अग्रसेन चौक की ओर से दो युवक व एक लड़की स्कूटी पर सवार वहां पहुंचे। शिव कुमार का इनके साथ विवाद हुआ।

स्कूटी सवारों के नशे में होने की बात सामने आई। विवाद के बाद स्कूटी सवार युवक ने धारदार चाकू से शिवकुमार पर हमला कर दिया। शिवकुमार के जांघ पर गंभीर चोट आई। उसे पहले हाईटेक व उसके बाद श्रीशंकराचार्य मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां रविवार की सुबह उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सुपेला पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी रुआबांधा चाचा चौक निवासी विशाल निषाद उर्फ छाया, रुपेन्द्र निषाद और एक नाबालिग लड़की को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में विशाल निषाद, रूपेन्द्र व शिव कुमार के बीच विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर विशाल निषाद ने चाकू से शिव कुमार पर हमला कर दिया। घायल युवक को उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हुई। घटना के संबंध में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विवेचना की जा रही है। उक्त कार्रवाई में थाना सुपेला पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस टीम द्वारा घटना की सूचना के बाद पतासाजी एवं साक्ष्य संकलन की कार्रवाई प्रारंभ की गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया तथा घटना में प्रयुक्त हथियार जब्त किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि आपसी विवाद को हिंसक रूप न दें और विवाद की स्थिति में कानून अपने हाथ में लेने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें। सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की हिंसक अथवा संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

रायपुर में युवक की हत्या, ट्रेन से भाग रहे 4 नाबालिग आरोपी पकड़ाए

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के अश्वनी नगर में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने 4 विधि से संघर्षरत बालकों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार 30 अगस्त की रात करीब 11 बजे अश्वनी नगर में एक युवक के गंभीर रूप से घायल पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अहमद को एम्स रायपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि आरोपी ट्रेन से भागने की तैयारी में हैं। रायपुर पुलिस ने आरपीएफ से समन्वय कर 3 आरोपियों को बिलासपुर में और एक को रायपुर में पकड़ा। प्रारंभिक पूछताछ में हत्या की वजह आपसी रंजिश सामने आई है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए चारों आरोपी नाबालिग हैं। इनमें से एक नाबालिग कुछ दिन पहले ही लूट के मामले में बाल संप्रेक्षण गृह से छूटकर बाहर आया था। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

भिलाई नगर कालीबाड़ी सेक्टर-6 के अध्यक्ष बने डॉ. दीप चटर्जी, 21 सदस्यी कमेटी ने संभाला कार्यभार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर कालीबाड़ी, सेक्टर-6 में नवगठित कार्यकारी समिति का पदभार ग्रहण समारोह एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल एवं भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी, समाज प्रमुख, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान नवगठित कार्यकारी समिति के पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण कर अपने दायित्वों एवं जिम्मेदारियों का विधिवत पदभार संभाला। कार्यकारिणी में कुल 21 पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हैं। इनमें अध्यक्ष डॉ. दीप चटर्जी,उपाध्यक्ष देवव्रत कर, विश्वजीत दास, सचिव सुमीत कुमार घोषाल, सहसचिव सुमन शील, अजय कुमार मिश्रा, श्रीमती अरुणा भट्टाचार्य, कोषाध्यक्ष, तिमीर भट्टाचार्य, सदस्य श्रीमती बॉबी दास, श्रीमती रत्ना घोषाल, श्रीमती शोमा देव, तरुण भट्टाचार्य, सत्यजीत दास, समीर घोषाल, सौरभ दत्ता, बिपुल सेन, अभिदेव नंदी, तपन दास, दीपक कुमार बनर्जी, सत्यजीत पंडा, रजत राय है। कार्यक्रम में कार्यकारिणी के पांच सदस्य रजत राय, दीपक कुमार बनर्जी, तिमीर भट्टाचार्य, देवव्रत कर, अजय कुमार मिश्रा शहर से बाहर होने के कारण उपस्थित नहीं हो सके। शेष उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कार्यक्रम में विधिवत शपथ ग्रहण कर अपने-अपने दायित्वों का पदभार संभाला।

पदभार ग्रहण समारोह के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सांसद विजय बघेल एवं विधायक देवेंद्र यादव सहित उपस्थित अतिथियों ने नवगठित कार्यकारी समिति के सदस्यों की उपस्थिति में पौधारोपण किया। इस अवसर पर कालीबाड़ी परिसर को हरित, स्वच्छ एवं सुंदर बनाने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने का संकल्प लिया गया।

मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने नवगठित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सेक्टरझ्र6 कालीबाड़ी से उनका पुराना और आत्मीय संबंध रहा है। उन्होंने बताया कि वे पूर्व में कालीबाड़ी मंदिर के समीप ही निवास करते थे और तभी से मां काली के प्रति उनकी आस्था एवं भक्ति जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि कालीबाड़ी मंदिर एवं समाज के विकास के लिए बेहतर कार्यप्रणाली के साथ निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने नई समिति को आश्वस्त किया कि कालीबाड़ी के विकास एवं समाजहित से जुड़े कार्यों में वे हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे।

विशेष अतिथि भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे बचपन से ही सेक्टरझ्र6 कालीबाड़ी आते रहे हैं और उनका मां काली के मंदिर से पुराना जुड़ाव रहा है। उन्होंने मंदिर एवं समाज के विकास के लिए होने वाले कार्यों में आगे भी अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने की बात कही। कार्यक्रम में भिलाई बंगाली समाज, हुडको कालीबाड़ी,छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज, हाउसिंग बोर्ड कालीबाड़ी, सुभाष नगर कालीबाड़ी, नेहरू नगर कालीबाड़ी, स्मृति नगर कालीबाड़ी, राधिका नगर कालीबाड़ी, न्यू खुसीपार कालीबाड़ी, हिन्दू मिलन सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी, भिलाई शहर की विभिन्न कालीबाड़ियो के प्रतिनिधिमंडल तथा भाजपा, कांग्रेस, बजरंग दल, विश्वहिंदू परिषद एवं अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा जूडो-कराटे का प्रदर्शन भी किया गया, जिसे उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर भिलाई बंगाली समाज के अध्यक्ष सुप्रभात पाल, सुबीर राय, पूर्व सचिव सुरजीत दत्ता, राजा बनर्जी, मानस बैनर्जी, श्यामल राय, शुभेंदु बागची, अभिजीत भौमिक, पिंटू पाल, पालस बासु, विमान राय, प्रकाश राय, जयंत बागची, संजय पालित, अभिजीत डे, तपन मजूमदार, मौसमी राय, मुनमुन चटर्जी, काजल चौधरी, मानसी सरकार, जोली राय, रूपाली पालित, बजरंग दल के जिला उपाध्यक्ष सुनील वैष्णव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

खास खबर

साधु-साध्वियों से आशीर्वाद लेने पहुंचे महावीर जन्म कल्याणक समिति के पदाधिकारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति दुर्ग के पदाधिकारियों ने शहर में विराजित साधु-साध्वियों के दर्शन-वंदन कर आशीर्वाद लिया। पदाधिकारियों ने आचार्य जिनचंद्र सूरिश्वर जी, विराग मुनि जी, डॉ. मणिभद्र मुनि जी, मनीष मुनि जी, प्रणत मुनि जी तथा साध्वी संगीता जी और साध्वी रिजु प्रज्ञा जी से भेंट की। इस दौरान डॉ. मणिभद्र मुनि जी ने अनेकांतवाद की व्याख्या करते हुए कहा - "हम भगवान महावीर को तो मानते हैं, लेकिन भगवान महावीर की शिक्षाओं को नहीं मानते।" महावीर के सिद्धांतों को जीवन में उतारना ही सच्ची श्रद्धा है।

विराग मुनि और मनीष मुनि ने समिति के कार्यों की सराहना की। साध्वी संगीता जी और रिजु प्रज्ञा जी ने कहा कि अलग-अलग संप्रदायों के लोग एक संगठन में जुड़े हैं, यह समाज की एकता का शुभ संकेत है। मतभेद भुलाकर संघ हित में काम करना चाहिए। समिति ने जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब में पुनीत मुनि जी के मार्गदर्शन में बाल संस्कार प्रतियोगिता भी कराई, जिसमें 60 बच्चों ने भाग लिया।

भिलाई-3 स्टेशन प्रबंधक लखबीर सिंह मुंघेरा को दी भावभीनी विदाई

भिलाई। भिलाई-3 रेलवे स्टेशन के मुख्य स्टेशन प्रबंधक लखबीर सिंह मुंघेरा के सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल रहे। सांसद बघेल ने कहा कि मुंघेरा ने 35 साल तक ईमानदारी और निष्ठा से सेवा की है। पिछले 10-15 साल से उन्हें करीब से देखा है, उनकी कार्यशैली प्रेरणादायक रही है। उन्होंने बताया कि मुंघेरा को उपभोक्ता सलाहकार समिति में नियुक्ति पत्र भेजा गया है ताकि उनके अनुभव का लाभ मिलता रहे। लखबीर सिंह मुंघेरा ने 1991 में भुसावल से रेल सेवा शुरू की थी। 1995 से 28 साल तक दुर्ग क्षेत्र में सेवा दी। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त उनका अंतिम कार्य दिवस है, इसके बाद समय समाज सेवा में लगाएंगे। समारोह में मुंघेरा ने "उलझे हुए लम्हों की चटक सांझ तो होगी" और सांसद ने "दीये जलते हैं फूल खिलते हैं" गीत प्रस्तुत किया। इस दौरान केक काटा गया और "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया।

निधन **श्रीमती भगवन्ती देवी**

भिलाई। रोज 92 तालपुरी निवासी श्रीमती भगवन्ती देवी का 30 अगस्त की रात्रि सेक्टर 9 चिकित्सालय में निधन हो गया वे 86 साल की थी। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार 01 सितंबर को शिवनाथ नदी के तट पर किया जायेगा, सुबह 10:30 बजे उनके निवास स्थान से अंतिम यात्रा प्रारंभ होगी दुर्ग में शिवनाथ नदी के तट पर किया जायेगा। वे भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त महाप्रबंधक सुशील कुमार सिंह, श्रीमती ऊषा सिंह की मां,सौरभ सिंह, वैभव सिंह की दादी थी।

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस चुनाव आज से शुरू हुआ 10 लाख सदस्य करेंगे मतदान

पहले दिन 30हजार मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

लंबे इंतजार के बाद छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। प्रदेश में चुनाव प्रक्रिया आज 30 अगस्त से शुरू हो हुआ। पहले दिन 30हजार मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। 29 सितंबर शाम 5 बजे तक चलेगी। चुनाव पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से होगा। आज दावेदारों और समर्थकों में सक्रियता बढ़ गई है।

प्रदेश में 10 लाख से अधिक वैध युवा सदस्य मतदान करेंगे। सबसे खास बात यह है कि प्रत्येक सदस्य को 6 पदों के लिए वोट डालना होगा। इनमें प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष पद शामिल हैं।

पहली बार ब्लॉक अध्यक्ष का प्रत्यक्ष चुनाव

संगठन ने इस बार बड़ा बदलाव किया है। अब ब्लॉक अध्यक्ष का चुनाव भी प्रत्यक्ष मतदान से होगा। पहले ब्लॉक स्तर पर मनोनयन होता था। इस फैसले से चुनावी प्रतिस्पर्धा बूथ स्तर तक पहुंच गई है और केवल बड़े नेताओं का समर्थन काफी नहीं होगा, जमीनी पकड़ भी दिखानी होगी।

प्रदेश अध्यक्ष के लिए 17 दावेदार

प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ दिलचस्प है। 17 दावेदार मैदान में हैं। प्रमुख नामों में शैलेंद्र बंजारे, सत्येंद्र चेलक, विनयशील, प्रशांत बोकड़े, जसमीत शर्मा, लोकेश वशिष्ठ, सोनू शर्मा, निखिलकांत साहू, हनी बग्गा और सजल चंद्राकर शामिल हैं। यह चुनाव कांग्रेस के भीतर गुटों की ताकत का परीक्षण भी माना जा रहा है।

बाजार में शक्कर की बढ़ी कीमतों का हवाला देकर गरीबों के मुंह से मिठास छीन रही छत्तीसगढ़ सरकार-जावेद खान

भिलाई। जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के प्रवक्ता जावेद खान ने राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार गरीब विरोधी नीतियों पर उतर आई है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी डी एस) के तहत सबसे निर्धन श्रेणी में आने वाले अंत्योदय राशन कार्डधारियों को पिछले चार महीनों से शक्कर का आवंटन नहीं किया जा रहा है। तीज-त्यौहारों का सीजन शुरू हो चुका है, ऐसे समय में गरीबों के थाली और त्यौहार दोनों से मिठास गायब करने का काम यह सरकार कर रही है।

जावेद खान ने कहा कि बाजार में शक्कर की दरें लगातार बढ़ रही हैं। सरकार और उसके नुमाइंदे बढ़ी हुई कीमतों का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार शक्कर महंगी होने के कारण यह चाहती ही नहीं कि प्रदेश का गरीब वर्ग तीज-त्यौहारों में अपने बच्चों के लिए मिठाई बना सके या शक्कर का उपभोग कर सके,अंत्योदय योजना समाज के उस अंतिम व्यक्ति के लिए बनी है जिसके पास आय का कोई स्थिर साधन नहीं है। 17 प्रति किलो मिलने वाली सब्सिडी की शक्कर को रोककर सरकार आखिर किस बात की बचत कर रही है? महंगाई के इस दौर में शक्कर की कीमतें बढ़ाकर और राशन दुकानों से राशन गायब करके सरकार ने गरीबों के पेट पर लात मारने का काम किया है।" जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई मांग करती है कि,अंत्योदय राशन कार्डधारियों का पिछले 4 महीनों का शक्कर का बकाया (कोटा) एक साथ तत्काल जारी किया जाए।आने वाले त्यौहारों से पहले राज्य की सभी राशन दुकानों (सोसायटियों) में शक्कर का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया जाए।यदि सरकार ने जल्द से जल्द अंत्योदय कार्डधारियों को शक्कर का वितरण शुरू नहीं किया, तो जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी और गरीबों के हक की लड़ाई लड़ेगी।

भिलाई-3 में शुरू होगी नई न्यायिक सुविधा, 31 अगस्त को वर्चुअल उद्घाटन करेंगे मुख्य न्यायाधिपति

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

न्याय को लोगों के और करीब लाने की दिशा में भिलाई-3 में नई पहल होने जा रही है। यहां जिला एवं सत्र न्यायालय और फैमिली कोर्ट के कैंप कोर्ट (एडिशनल सिटिंग) की शुरूआत होगी।

31 अगस्त 2026 को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा वर्चुअली इसका उद्घाटन करेंगे। नया कोर्ट शुरू होने से भिलाई-3 और आसपास के नागरिकों को हर बार दुर्ग जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे समय और दूरी दोनों की बचत होगी, खासकर पारिवारिक विवादों और अन्य मामलों में लोगों को स्थानीय स्तर पर ही सुविधाजनक माहौल में न्याय मिल सकेगा। प्रशासन का कहना है कि यह सिर्फ एक कोर्ट की शुरूआत नहीं, बल्कि उस सोच की शुरूआत है जहां न्याय दूर नहीं, बल्कि सुलभ हो - "Justice should be accessible, not distant."

चौरसिया समाज के मोक्ष चौरसिया का MBBS में चयन, समाज में हर्ष

भिलाई। चौरसिया समाज के होनहार मोक्ष चौरसिया ने ठएएळ-2026 में सफलता हासिल कर टइइर पाठ्यक्रम में प्रवेश पाया है। उन्हें शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर एवं राजनांदगांव में सीट आवंटित हुई है।

मोक्ष, प्रशांत कुमार चौरसिया एवं स्वर्गीय रीता चौरसिया के सुपौत्र तथा कुक्कू चौरसिया एवं भिलाई स्टील प्लांट के डीजीएम सत्यकुमार चौरसिया के सुपुत्र हैं। उनकी सफलता पर चौरसिया समाज भिलाई, अखिल भारतीय चौरसिया महासभा छत्तीसगढ़, चौरसिया महिला समिति और किटी सोसायटी ने हर्ष व्यक्त करते हुए परिवार को बधाई दी है और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मन की बात नवाचारों को देती है राष्ट्रीय पहचान : विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों और प्रेरक प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देता है। विधायक चंद्राकर ने रविवार को हिन्द नगर, रिसाली वार्ड 31 के बूथ क्रमांक 120 में बूथ अध्यक्ष अर्चना हिरवानी के निवास पर वार्डवासियों के साथ मन की बात का 137वां संस्करण सुना।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मन की बात में प्रधानमंत्री निस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने वाले लोगों को देश के सामने लाते हैं। इससे सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज नशामुक्त भारत, हर घर तिरंगा, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता पर चर्चा की। नशामुक्त युवा, विकसित भारत के संकल्प के लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। हर घर तिरंगा अभियान में 8 करोड़ से अधिक लोगों ने सेल्फी अपलोड की, जो राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है।

विधायक ने कहा कि मन की बात में छत्तीसगढ़ की बेटी महिमा राजपूत के मिशन शक्ति सैट से जुड़ने का उल्लेख गर्व की बात है। साथ ही बस्तर ओलंपिक, मल्हार के ताम्रपत्र और काले हिरण संरक्षण जैसे विषयों पर छत्तीसगढ़ का जिक्र प्रदेश के लिए गौरव है।

इस अवसर पर रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, गुड्डू झा, ममता राव, कमलेश हिरवानी, पार्षद सीमा साहू, अर्चना हिरवानी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और वार्डवासी मौजूद रहे।

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा की बैठक

15 सितंबर तक संगठनात्मक काम पूरा करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा जिला कार्यालय प्रियदर्शिनी परिसर सुपेला में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में सांसद विजय बघेल, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी, प्रभारी लक्ष्मी वर्मा, सहप्रभारी चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला प्रभारी रामजी भारती और जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन सहित पदाधिकारी मौजूद रहे। भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि सभी संगठनात्मक कार्य 15 सितंबर तक पूर्ण करें। बूथ से लेकर जिला स्तर तक संगठन को मजबूत करना है।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र में 5 स्थानों पर निकाय चुनाव होने हैं, सभी जगह एकजुटता से काम करना है। यह चुनाव सरकार की प्रतिष्ठा का सवाल है। महापौर चुनाव भी महत्वपूर्ण है। कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की 25 साल की उपलब्धियां लेकर जनता के बीच जाएंगे।

कमरछठ पर्व पर डॉ. दिनेश साहू ने बांटा पसहर चावल, माताओं को दी शुभकामनाएं

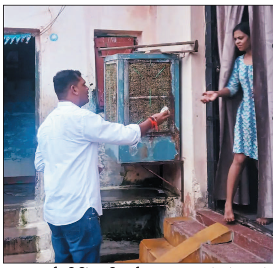

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के लोकपर्व कमरछठ (हलषष्ठी) के अवसर पर डॉ. दिनेश एस साहू ने घर-घर जाकर माताओं-बहनों को पूजा के लिए पवित्र पसहर चावल का वितरण किया। 2 सितंबर को मनाए जाने वाले इस पर्व में संतान की दीघार्यु और स्वास्थ्य के लिए माताएं कठिन व्रत रखती हैं। परंपरा को सहेजने और व्रत को सुगम बनाने के उद्देश्य से यह वितरण किया गया। डॉ. साहू ने समस्त माताओं-बहनों को कमरछठ की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

नेपाल में बाढ़ के बाद भारतीय नागरिकों के लापता होने पर मंत्री राजेश अग्रवाल चिंतित

अंबिकापुर की डॉ. मीना गुप्ता की सुरक्षित वापसी के लिए विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं अधिकारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद 288 से अधिक भारतीय नागरिकों के लापता होने की खबर पर छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने गहरी चिंता व्यक्त की है। लापता भारतीय नागरिकों में अंबिकापुर के वरिष्ठ नेता कतारीम गुप्ता की बेटी डॉ. मीना गुप्ता भी शामिल हैं। डॉ. मीना गुप्ता ब्रिटेन में चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने डॉ. मीना गुप्ता की सुरक्षित वापसी के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस कठिन और चिंताजनक परिस्थिति में उनका परिवार अकेला नहीं है। उन्होंने बताया कि डॉ. मीना गुप्ता की स्थिति और उनकी सुरक्षित वापसी के संबंध में नेपाल स्थित भारतीय दूतावास तथा संबंधित अधिकारियों से लगातार संपर्क बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

विदेश मंत्रालय से तत्काल किया संपर्क

श्री अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने भी इस मामले में तत्काल विदेश मंत्रालय से संपर्क कर आवश्यक जानकारी साझा करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। मंत्रालय की ओर से उपलब्ध कराई गई ई-मेल आईडी कतारीम गुप्ता को उपलब्ध कराई गई है, ताकि डॉ. मीना गुप्ता से संबंधित सभी आवश्यक विवरण विदेश मंत्रालय तक पहुंचाए जा सकें और उनकी तलाश एवं सुरक्षित वापसी के प्रयासों को आवश्यक जानकारी मिल सके।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद 288 से अधिक भारतीय नागरिकों के लापता होने की खबर बेहद चिंताजनक और पीड़ादायक है। इनमें अंबिकापुर की डॉ. मीना गुप्ता जी भी शामिल हैं। उनकी सुरक्षित वापसी के लिए हम लगातार नेपाल स्थित भारतीय दूतावास और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं। मैंने भी तत्काल विदेश मंत्रालय से संपर्क कर आवश्यक जानकारी साझा करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रत्येक लापता व्यक्ति के परिवार की चिंता और व्याकुलता को समझा जा सकता है। प्रशासनिक एवं राजनयिक स्तर पर उपलब्ध माध्यमों के जरिए आवश्यक जानकारी साझा कर डॉ. मीना गुप्ता सहित सभी लापता भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना

मंत्री राजेश अग्रवाल ने नेपाल की प्राकृतिक आपदा से प्रभावित सभी परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बाढ़ की इस त्रासदी में जिन परिवारों के सदस्य लापता हैं, उनके लिए यह अत्यंत कठिन समय है। ऐसे समय में संवेदना, सहयोग और हरसंभव सहायता ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं सभी पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि डॉ. मीना गुप्ता जी सहित बाढ़ में फंसे सभी लोग सकुशल हों और जल्द से जल्द अपने परिवारों के बीच वापस लौटें। हम सभी उनके सुरक्षित लौटने की कामना कर रहे हैं।

मंत्री ने आशा व्यक्त की कि राहत एवं बचाव कार्यों के साथ लापता लोगों की तलाश के प्रयासों में जल्द सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे और डॉ. मीना गुप्ता सहित सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित अपने परिजनों के बीच लौट सकेंगे।

खास खबर

रंग-तरंग में सजेगा छत्तीसगढ़ का लोक-संगीत, संस्कृति और आधुनिक सुरों का संगम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कल से 3 सितंबर तक मुक्ताकाशी मंच पर होगा भव्य आयोजन, पारंपरिक लोक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियों के साथ दिखेगा छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का रंग

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत और आधुनिक सुरों के अनूठे संगम को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रंग तरंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह सांस्कृतिक आयोजन 1, 2 एवं 3 सितंबर 2026 को प्रतिदिन शाम 7 बजे से रायपुर के मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, सिविल लाइंस में आयोजित होगा। रंग तरंग के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता को नए और आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में पारंपरिक लोक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियों के साथ संगीत की विभिन्न विधाओं का संगम देखने-सुनने को मिलेगा। आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ उन्हें समकालीन संगीत के साथ जोड़कर व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है।

लोक वाद्यों की गूंज के साथ सजेगी संगीत की महफिल

रंग तरंग को संस्कृति, रंगों और सुरों का फ्यूजन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। आयोजन में छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं से जुड़े वाद्ययंत्रों और कलाकारों की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। पारंपरिक वाद्यों की धुनों के साथ आधुनिक संगीत का मेल दर्शकों को सांस्कृतिक विरासत का नया अनुभव प्रदान करेगा।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को मिलेगा नया मंच

तीन दिवसीय इस आयोजन के जरिए प्रदेश की विविध लोक परंपराओं, संगीत शैलियों और वाद्य संस्कृति को एक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाएगा। छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी जीवंत लोक कलाओं और संगीत परंपराओं से रही है। ऐसे आयोजनों से स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलने के साथ ही आम लोगों, विशेषकर युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित रंग तरंग में लोक और आधुनिकता का यह मेल दर्शकों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को करीब से जानने का अवसर भी बनेगा।

तीन दिनों तक चलने वाला यह आयोजन रायपुरवासियों और प्रदेश की कला-संस्कृति में रुचि रखने वाले दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेगा। रंग तरंग छत्तीसगढ़ की लोकधुनों, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और आधुनिक संगीत को एक ही मंच पर लाकर संस्कृति के विविध रंगों को सुरों की तरंगों में पिरोने की पहल है।

'मन की बात' देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों और प्रेरक प्रयासों को देती है राष्ट्रीय पहचान : मुख्यमंत्री साय

निस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने वाले लोगों को देश के सामने लाते हैं प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री ने सुनी मन की बात की 137वीं कड़ी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 137वीं कड़ी का श्रवण किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी का देश के 140 करोड़ नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, प्रेरक प्रयासों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की उपलब्धियों को पूरे देश के सामने रखते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देशवासियों को प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इसमें ऐसे अनेक विषयों और व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हैं, जिनके बारे में सामान्यतः देश के लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। इससे जहां अच्छे कार्य करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ता है, वहीं उनके प्रयास लाखों देशवासियों के लिए प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के दूरस्थ गांवों और छोटे-छोटे क्षेत्रों में अनेक लोग बिना किसी प्रचार और स्वार्थ के समाज तथा राष्ट्रहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा है, कोई स्वच्छता के लिए कार्य कर रहा है, तो कोई स्थानीय संसाधनों के माध्यम से नवाचार कर अपने क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी मन की बात के माध्यम से ऐसे सामान्य लोगों के असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। इससे देश में सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है तथा दूसरे लोगों को भी कुछ नया और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

नशामुक्त युवा, विकसित भारत के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज ह्यनशामुक्त युवा, विकसित भारतह्न के संकल्प को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखना परिवार, समाज और राष्ट्र सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल किसी एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज को झेलने पड़ते हैं। स्वस्थ, समर्थ और ऊर्जावान युवा पीढ़ी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से

नशामुक्ति के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने और युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

हर घर तिरंगा में दिखा देशवासियों का राष्ट्रप्रेम

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में हर घर तिरंगा अभियान के प्रति देशवासियों के अभूतपूर्व उत्साह का भी उल्लेख किया। अभियान के अंतर्गत 8 करोड़ से अधिक देशवासियों ने तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड की। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रध्वज के प्रति देशवासियों के सम्मान, गौरव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा आज जन-जन का अभियान बन चुका है। ऐसे अभियान राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के साथ प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका और कर्तव्यों का स्मरण कराते हैं।

पीएम स्वनिधि से मातृशक्ति को मिल रही आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की भी चर्चा की। रेहड़ी-पटरी और छोटे व्यवसायों से जुड़ी महिलाओं को योजना के माध्यम से अपने कारोबार को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएं हैं और देशभर में करीब 35 लाख महिलाएं इससे जुड़कर अपने छोटे व्यवसायों को नई गति दे रही हैं। आर्थिक रूप से सशक्त महिला न केवल अपने परिवार को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज और देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

स्वच्छता केवल अभियान नहीं, जन-जन का संकल्प बने

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वच्छता के महत्व को एक बार फिर रेखांकित किया है। स्वच्छता में स्थायी परिवर्तन तभी संभव है, जब यह केवल सरकारी अभियान न रहकर प्रत्येक नागरिक की आदत और जिम्मेदारी बने। उन्होंने कहा कि जब किसी गांव, शहर अथवा क्षेत्र के लोग स्वयं अपने परिवेश को स्वच्छ रखने का संकल्प लेते हैं, तो उसका प्रभाव केवल साफ-सफाई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उस स्थान की पहचान और वहां के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सकारात्मक बदलाव आता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपने घर, मोहल्ले, गांव, शहर और आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

अंतरिक्ष विज्ञान में बेटियों की उड़ान, छत्तीसगढ़ की महिमा राजपूत पर गर्व

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज भारत की बेटियां अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही हैं। उनकी आकांक्षाओं की उड़ान अब धरती से अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यमन की बातह्न में मिशन शक्ति सैट जैसे प्रेरक प्रयास का उल्लेख किया, जिसके माध्यम से भारत सहित विभिन्न देशों की हजारों छात्राओं को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी को समझने, सीखने और नवाचार से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए विशेष गौरव का विषय है कि प्रदेश की महिमा राजपूत भी इस महत्वपूर्ण मुहिम का हिस्सा बनी हैं। उन्होंने महिमा राजपूत को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उनकी उपलब्धियां प्रदेश की दूसरी बेटियों को भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करती हैं।

मन की बात में छत्तीसगढ़ का उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ह्यमन की बातह्न की विभिन्न कड़ियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छत्तीसगढ़ और यहां के उल्लेखनीय प्रयासों का उल्लेख किया है। बस्तर ओलंपिक से लेकर मल्हार में मिले प्राचीन ताम्रपत्रों और काले हिरण के संरक्षण तक, छत्तीसगढ़ की विशिष्टताओं और उपलब्धियों को प्रधानमंत्री ने देशवासियों के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ के नवाचारों, संस्कृति, विरासत और सकारात्मक प्रयासों को राष्ट्रीय मंच पर स्थान दिया जाना प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गौरव की बात है। इससे छत्तीसगढ़ के अच्छे कार्यों को देशभर में पहचान मिलने के साथ प्रदेश के लोगों का उत्साह भी बढ़ता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ह्यमन की बातह्न की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे सकारात्मक कार्यों को एक सूत्र में जोड़ती है। यह कार्यक्रम नागरिकों को स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, नवाचार, समाजसेवा और राष्ट्रहित से जुड़े कार्यों के लिए प्रेरित करने के साथ जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री मोदी का यह सतत संवाद देशवासियों में कर्तव्यबोध जगाकर विकसित भारत के निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू एवं पुरंदर मिश्रा, संतजन, विभिन्न निगम-मंडलों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

इतिहास, संस्कृति और स्वदेशी से आत्मनिर्भरता तक—मन की बात में देश की विकास यात्रा के विविध आयामों पर पीएम का प्रेरक संदेश

पर्यटन व संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने शासकीय आवास में सुना मन की बात का 137वां संस्करण, कहा—प्रधानमंत्री का संवाद जनभागीदारी और राष्ट्रनिर्माण की भावना को देता है नई ऊर्जा

नई दृष्टिबिंदु / 00000

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने रायपुर स्थित अपने शासकीय आवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर अंबिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में देश की विविध उपलब्धियों, सामाजिक सरोकारों, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जनभागीदारी से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से संवाद किया। कार्यक्रम में इतिहास को डिजिटल माध्यमों से संरक्षित करने के अभिनव प्रयासों से लेकर युवाओं को नशे से दूर रखने, स्वच्छता, स्थानीय उद्यमिता, कृषि में वैज्ञानिक नवाचार और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने जैसे विषय प्रमुखता से सामने आए।

डिजिटल माध्यमों से इतिहास और विरासत के संरक्षण पर जोर

मन की बात में प्रधानमंत्री ने इतिहास और देश की समृद्ध विरासत को आधुनिक डिजिटल माध्यमों के जरिए सहेजने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे प्रयासों को आने वाली पीढ़ियों को अपने अतीत, गौरव और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हमारी पहचान और हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। इतिहास, लोक परंपराओं, कला और सांस्कृतिक धरोहरों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से संरक्षित करना समय की आवश्यकता है। इससे हमारी विरासत आने वाली पीढ़ियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगी।

स्वच्छता को निरंतर जनआंदोलन बनाए रखने का संदेश

प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान की निरंतरता पर भी चर्चा की और स्वच्छता को केवल किसी अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत और सामाजिक जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि स्वच्छता और पर्यटन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। स्वच्छ पर्यटन स्थल न केवल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी पैदा करते हैं। छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

नशा मुक्त युवा और विकसित भारत का संकल्प

प्रधानमंत्री ने नशा मुक्त युवा, विकसित भारत अभियान के तहत ड्रग फ्री इंडिया के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया। युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उनकी ऊर्जा को रचनात्मक और राष्ट्रहित के कार्यों में लगाने पर विशेष जोर दिया गया। श्री अग्रवाल ने कहा कि युवा शक्ति भारत के भविष्य की आधारशिला है। स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त युवा ही विकसित भारत के निर्माण में अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान दे सकते हैं। समाज के हर वर्ग को मिलकर युवाओं के लिए सकारात्मक और प्रेरक वातावरण तैयार करना होगा।

तिरंगा यात्रा ने जगाई राष्ट्रप्रेम की भावना

प्रधानमंत्री ने अगस्त माह में देशभर में आयोजित भव्य तिरंगा यात्राओं का उल्लेख करते हुए इनमें लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी को राष्ट्रभावना की अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है।

रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनाने में पीएम स्वनिधि की भूमिका

मन की बात में छोटे रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली पीएम स्वनिधि योजना का भी उल्लेख किया गया। इस योजना के माध्यम से छोटे उद्यमियों को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग और आत्मनिर्भरता का अवसर मिल रहा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि छोटे व्यवसाय हमारे स्थानीय अर्थतंत्र की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। जब एक छोटा दुकानदार, ठेला संचालक या रेहड़ी-पटरी व्यवसायी अपने पैरों पर मजबूती से खड़ा होता है, तो इसका सीधा लाभ उसके परिवार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलता है।

अमरनाथ यात्रा और आध्यात्मिक पर्यटन की समृद्ध परंपरा

प्रधानमंत्री ने हाल ही में संपन्न हुई श्री अमरनाथ जी की पावन यात्रा का उल्लेख करते हुए देश की आध्यात्मिक एवं धार्मिक यात्रा परंपरा की व्यापकता को रेखांकित किया। भारत में धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। श्री अग्रवाल ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक यात्राएं हमारी प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखती हैं। छत्तीसगढ़ भी राम वन गमन पथ, माता कौशल्या की नगरी और अनेक प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के माध्यम से देश की आध्यात्मिक पर्यटन परंपरा में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

Vocal for Local से स्थानीय उत्पादों को मिलेगा नया बाजार

प्रधानमंत्री ने स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए 'Vocal for Local' के मंत्र को भी दोहराया। स्थानीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध कराने से कारीगरों, शिल्पकारों, छोटे उद्यमियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है। श्री अग्रवाल ने कहा कि हमारे स्थानीय शिल्प, हस्तकला, लोककलाएं और पारंपरिक उत्पाद केवल वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान के वाहक हैं। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से संस्कृति का संरक्षण होने के साथ-साथ कलाकारों और कारीगरों की आजीविका भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम देश के अलग-अलग क्षेत्रों में हो रहे सकारात्मक कार्यों, नवाचारों और जनभागीदारी की प्रेरक कहानियों को सामने लाने का प्रभावी माध्यम है। ऐसे संवाद समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं और नागरिकों को अपने स्तर पर राष्ट्रहित में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी संबोधन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मन की बात देश के करोड़ों नागरिकों को एक-दूसरे से जोड़ने और देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे रचनात्मक प्रयासों को साझा करने का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री जी का मार्गदर्शन हमें अपनी संस्कृति, पर्यावरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, युवा शक्ति और विकास के लिए निरंतर बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है।

कृषि में आधुनिक विज्ञान और नवाचार से किसानों की समृद्धि

प्रधानमंत्री ने किसानों की आय और कृषि क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक नवाचारों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कृषि में नई तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और नवाचारों का उपयोग किसानों को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाने में सहायक है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि कृषि में विज्ञान और तकनीक का समावेश किसानों के लिए नए अवसर खोल रहा है। आधुनिक नवाचारों के साथ स्थानीय अनुभव और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय खेती को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बना सकता है।

संपादकीय

भयावह हिमालयी त्रासदी

भारत के लिए भी चेतावनी है नेपाल आपदा

बीते बुधवार को नेपाल में आई भयावह जल-प्रलय जैसी घटना में हुई जन-धन की हानि ने प्रकृति के विकराल रूप के सामने हमारी लाचारी को ही दशार्या है। वहीं भीषण बाढ़ से हुई तबाही ने हिमालयी इलाके में बढ़ते जलवायु जोखिमों और आपदा से निपटने की हमारी तैयारियों में गंभीर चूकों को भी उजागर किया है। इस प्राकृतिक रौद्र में नेपाली लोगों और विदेशियों समेत मरने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही नेपाल के कई जिलों में पुलों, सड़कों व सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान भी पहुंचा है। निस्संदेह, यह विकराल प्राकृतिक आपदा हिमालयी क्षेत्रों में स्थित दक्षिण एशियाई देशों और उनके बाहरी इलाकों के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। शुरूआती आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर टूटने और चट्टानों के खिसकने से भोटेकोशी नदी की सहायक नदी ल्हेन्डे का बहाव रुक गया था, बाद में बढ़ते पानी व मलबे के दबाव से कृत्रिम बांध टूटने से नदी में बाढ़ आ गई। जिसके फलस्वरूप पहाड़ी ढलानों में तेज गति से पानी व मलबा नीचे की ओर रौद्र रूप से बहने लगा।

अब भले ही इस तबाही की मूल वजह हिमखंड टूटना, ग्लेशियर झील का फटना, जमीन का खिसकना बताया जा रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक दुर्घटनाओं के लिये हिमालयी पहाड़ बेहद खतरनाक बनते जा रहे हैं। दरअसल, हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और इसके चलते खतरनाक ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। जिनमें से कई को भविष्य के लिये खतरनाक माना जा रहा है। इस आसन्न संकट में ग्लोबल वार्मिंग की भी बड़ी भूमिका है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि बढ़ता तापमान ग्लेशियरों की पीछे हटने की रफ्तार को बढ़ा रहा है। हाल के वर्षों में बर्फबारी और बारिश के पैटर्न में तेजी से बदलाव भी आ रहा है। जो पहाड़ी ढलानों को अस्थिर बना रहा है।

बहुत संभव है कि जलवायु परिवर्तन भले ही हिमालय में होने वाली प्राकृतिक आपदाओं का एकमात्र कारण न हो, लेकिन यह परिवर्तन ऐसी स्थितियां जरूर पैदा कर रहा है, जहां प्राकृतिक आपदाओं की पुनरावृत्ति बढ़ जाए और वे ज्यादा विनाशकारी साबित हों। यही वजह है कि नेपाल में अचानक आई इस बाढ़ को एक बड़े और तेजी से गंभीर होते क्षेत्रीय बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। आज आपदा के बाद राहत व पुनर्वास को प्राथमिकता बनाने के अलावा समय पूर्व चेतावनी देने वाले सिस्टम को मजबूत करने की जरूरत है। निश्चित रूप से समय रहते आपदा आने की चेतावनी देने वाले सिस्टम से हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। ऐसी आपदाओं में हम संरचनात्मक ढांचे को तो तबाह होने से नहीं रोक सकते हैं, लेकिन जीवन व मृत्यु के अंतर को तो कम कर ही सकते हैं।

यह सर्वविदित तथ्य है कि नदियां भौगोलिक व राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानती हैं, अतः क्षेत्र के देशों में आपसी सहयोग बढ़ाने के प्रयास तेज करने होंगे। इस त्रासदी के बाद कहा गया कि चीन यदि समय रहते आपदा की सूचना दे देता तो सैकड़ों लोगों की जान बचायी जा सकती थी। बहरहाल, चीन व नेपाल को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि भूस्खलन, ग्लेशियर झीलों, हिमस्खलन और हिमालयी क्षेत्र की नदियों के किसी भी असामान्य व्यवहार को तुरंत दोनों देशों में साझा किया जाए। यह कोशिश उन तमाम देशों के बीच शुरू होनी चाहिए, जिनकी सीमाओं से ये नदियां गुजरती हैं। भारत भी वर्ष 2013 में केदारनाथ की भयानक त्रासदी झेल चुका है। अब भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये किसी तरह की उदासीनता नहीं बरती जा सकती है। आज हम तकनीक, जलवायु अनुकूल निर्माण कार्यों और स्थानीय लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देकर आपातकालीन स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने की प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं। निश्चित रूप से ऐसे सजग प्रयासों से हम तबाही का दायरा कम कर सकते हैं। जिससे जन-धन की हानि कम करने के प्रयासों को गति दी जा सकती है। हमें जापान आदि विकसित देशों से प्राकृतिक आपदाओं का बेहतर ढंग से मुकाबला करने का हुनर सीखना चाहिए।

हिंद महासागर और अगला समुद्र मंथन

ललित सिहाग

हम सबने समुद्र मंथन की कहानी सुनी या पढ़ी है कि कैसे देवता और असुरों ने मिलकर समुद्र को मथा था। मंदराचल पर्वत को मथनी बनाया गया और वासुकी नाग को रस्सी और समुद्र से एक के बाद एक कई चीजें निकलीं। विष भी निकला, रत्न भी निकले और अंत में अमृत भी मिला। कहानी पुरानी है, लेकिन आज जब दुनिया के नक्शे को देखें तो लगता है कि समुद्र एक बार फिर मथा जा रहा है और इस बार मंदराचल की जगह बड़े-बड़े बंदरगाह हैं, वासुकी की जगह समुद्री व्यापार और जहाजों की आवाजाही है और अमृत की तलाश दुनिया की आर्थिक और रणनीतिक शक्ति की है। हिंद महासागर आज दुनिया की बड़ी शक्तियों के लिए उसी तरह महत्वपूर्ण होता जा रहा है, जैसे कभी जमीन की सीमाएं हुआ करती थीं और सबसे महत्वपूर्ण बात कि यहां ना कोई देवता है न कोई असुर बल्कि सब अपने आप में एक तरफा फायदा लेने के लिए तत्पर दिखाई देते हैं।

हिंद महासागर के रास्ते दुनिया का एक बड़ा हिस्सा ऊर्जा और व्यापार का आवागमन करता है। पश्चिम एशिया से तेल और गैस, एशिया से तैयार माल और अफ्रीका से आने वाले संसाधन इसी व्यापक समुद्री क्षेत्र से होकर गुजरते हैं इसलिए हिंद महासागर की सुरक्षा केवल नौसेना या रक्षा मंत्रालय का विषय नहीं है। इसका सीधा संबंध भारत की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और विदेश नीति से है और इस बदलती कहानी में चीन की मौजूदगी सबसे ज्यादा चर्चा में है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने हिंद महासागर के आसपास कई देशों में बंदरगाहों और infrastructure projects में निवेश किया है। पाकिस्तान में ग्वादर, श्रीलंका में हंबनटोटा, म्यांमार में क्यौकफ्यू और अफ्रीका के जिबूती तक चीन की आर्थिक मौजूदगी दिखाई देती है। इनमें से हर जगह को चीनी सैन्य अड्डा कहना शायद अतिशयोक्ति होगी, लेकिन इन्हें केवल व्यापारिक परियोजनाएं मानकर छोड़ देना भी समझदारी नहीं होगी।

किसी देश की समुद्री ताकत अब केवल उसके युद्धपोतों से तय नहीं होती। बंदरगाह, जहाजों के लिए ईंधन और मरम्मत की सुविधाएं, समुद्री निगरानी, उपग्रह, संचार व्यवस्था और supply chains ·fe strategic power का हिस्सा हैं। चीन ने इस पूरी तस्वीर को काफी पहले समझ लिया और कूर्म की तरह समुद्र में खुद को ऐसे स्थापित किया कि उसके बिना कोई संसाधन प्राप्त ही ना होने पाए।

श्रीलंका का हंबनटोटा इसका अच्छा उदाहरण है। 2017 में श्रीलंका ने हंबनटोटा बंदरगाह चीन को 99 वर्ष की लीज पर दिया। यह घटना दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी, यहां यह कहना सही नहीं होगा कि हर चीनी निवेश किसी देश को कर्ज के जाल में फंसाने की योजना है लेकिन यह भी सच है कि किसी रणनीतिक स्थान पर लंबे समय तक इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक मौजूदगी भविष्य में राजनीतिक प्रभाव का आधार बन सकती है।

भारत के लिए श्रीलंका इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वह हमारे समुद्री पड़ोस में है। भारत को वहां चीन के प्रभाव की चिंता स्वाभाविक रूप से होगी, लेकिन केवल चीन को रोकना हमारी नीति नहीं हो सकती। श्रीलंका को आर्थिक संकट के समय भारत ने जिस तरह सहायता दी, वह बताती है कि पड़ोसी देशों के बीच भरोसा केवल रणनीतिक बयानबाजी से नहीं बनता बल्कि संकट में कौन साथ खड़ा होता है, इससे बनता है।

मालदीव का मामला भी कुछ ऐसा ही है। आकार में छोटा होने के बावजूद हिंद महासागर में उसकी भौगोलिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। वहां राजनीतिक बदलावों को केवल घरेलू राजनीति के नजरिए से देखना पर्याप्त नहीं है। उसके पीछे समुद्री सुरक्षा, निगरानी और बड़ी शक्तियों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी है।

भारत को यहां एक बात समझनी होगी कि अगर हम अपने पड़ोसी देशों को केवल इस नजर से देखेंगे कि वे चीन के साथ हैं या भारत के साथ, तो हम शायद उनकी अपनी जरूरतों और चिंताओं को समझने में असफल होंगे। छोटे देशों को सम्मान और विकल्प देना, उनके आर्थिक ढांचे और अर्थव्यवस्था में सहयोग करना और जरूरत के समय सबसे भरोसेमंद साझेदार बनना ही भारत की वास्तविक ताकत हो सकती है।

हिंद महासागर की कहानी में अमेरिका की मौजूदगी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। डिएगो गार्सिया में अमेरिकी सैन्य सुविधा इस क्षेत्र में उसकी लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक उपस्थिति का प्रतीक है। इसका मतलब साफ है कि हिंद महासागर अब केवल भारत और चीन के बीच का विषय नहीं रहा। अमेरिका, चीन, भारत और कई क्षेत्रीय देश अपने-अपने हितों के साथ यहां मौजूद हैं।

भारत के सामने सबसे बड़ा सवाल यहीं से शुरू होता है। चीन की बढ़ती ताकत के बीच अमेरिका के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन भारत की विदेश नीति की अपनी एक परंपरा रही है कि किसी एक शक्ति के खेमे में पूरी तरह शामिल हुए बिना अपने हितों के अनुसार फैसले लेना। आज इसे रणनीतिक स्वायत्तता कहा जाता है और आने वाले समय में इसकी परीक्षा हिंद महासागर में भी होगी और इस पूरी कहानी में भारत के पास एक ऐसी भौगोलिक ताकत है जिसे अब पहले से कहीं ज्यादा गंभीरता से देखने की जरूरत है और वह है अंडमान और निकोबार।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत को मलक्का जलडमरूमध्य के काफी करीब एक महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थिति देता है। मलक्का वह समुद्री मार्ग है जिसके जरिए एशिया का बड़ा व्यापार आगे बढ़ता है और चीन की ऊर्जा आपूर्ति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। इसलिए अंडमान और निकोबार भारत के लिए सिर्फ खूबसूरत द्वीप या पर्यटन स्थल ही नहीं हैं बल्कि हिंद महासागर और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रवेश द्वार हैं।

लेकिन यहां भी केवल सैन्य दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है। भारत को बंदरगाह, जहाजरानी निर्माण, व्यापारी नौवहन, समुद्री निगरानी, ड्रोन्स, उपग्रहों और तटीय सुरक्षा पर साथ-साथ काम करना होगा। अगर समुद्र आने वाले समय में आर्थिक शक्ति का प्रमुख रास्ता बनने वाला है तो भारत को अपनी समुद्री अर्थव्यवस्था को भी उतनी ही गंभीरता से लेना होगा।

दरअसल आने वाली समुद्री प्रतिस्पर्धा सिर्फ युद्धपोतों की प्रतिस्पर्धा नहीं होगी। समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट की तारें, ऊर्जा ढांचा, महत्वपूर्ण खनिज, संचार के उपग्रहों का ढांचा और वैश्विक शिपिंग का ढांचा भी उतने ही महत्वपूर्ण होंगे। जिस देश के पास इन नेटवर्क्स को समझने, सुरक्षित रखने और संकट के समय बनाए रखने की क्षमता होगी, उसके पास वास्तविक समुद्री ताकत होगी।

भारत को इसलिए हिंद महासागर में चीन से मुकाबले की रणनीति से आगे बढ़कर अपनी खुद की रणनीति बनानी होगी। भारत की ताकत यह होनी चाहिए कि श्रीलंका को संकट में भारत याद आए, मालदीव को आधारभूत सरंचना के लिए भारत पर भरोसा हो, अफ्रीकी देशों को समुद्री सुरक्षा में भारत एक स्वाभाविक साझेदार लगे और दक्षिण-पूर्व एशिया भारत को एक जिम्मेदार क्षेत्रीय ताकत के रूप में देखे।

समुद्र मंथन की कहानी में विष भी निकला था और अमृत भी। आज हिंद महासागर में भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। एक तरफ व्यापार, आपसी संबंध और विकास के अवसर हैं तो दूसरी तरफ सैन्य प्रतिस्पर्धा, संसाधनों की होड़ और बड़ी शक्तियों के बीच तनाव है। भारत के लिए चुनौती यह नहीं है कि वह इस मंथन को रोक दे क्योंकि समुद्र को रोकना संभव भी नहीं है। चुनौती यह है कि भारत इस बदलती समुद्री व्यवस्था में अपनी भूमिका खुद तय करे क्योंकि हिंद महासागर हमारे लिए केवल एक समुद्र नहीं है बल्कि यह भारत की ऊर्जा का रास्ता है, व्यापार की जीवनरेखा है और भविष्य की वैश्विक शक्ति का एक बड़ा आधार है। समुद्र फिर मथा जा रहा है और इस बार सवाल अमृत किसे मिलेगा, इसका नहीं है बल्कि सवाल यह है कि इस मंथन में भारत अपनी जगह कितनी मजबूती से बना पाएगा।

सुविधाओं के शहरों में घटती इंसानी जगह, पैदल चलने का अधिकार

पीके बाजपाई

एक अच्छे व्यवस्थित शहर की परख इस बात से होनी चाहिए कि क्या कोई बच्चा सुरक्षित रूप से स्कूल जा सकता है, क्या कोई बुजुर्ग सड़क पर उतरे बिना बाजार पहुंच सकता है, क्या व्हीलचेयर इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति बस स्टॉप तक पहुंच सकता है? बढ़ता शहरीकरण सुविधाओं के लिहाज से बेहतर तो लगता है, लेकिन इसकी एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। बुजुर्गों के टहलने, बच्चों के खेलने, दिव्यांगजनों के बाधामुक्त आवागमन और महिलाओं व आम नागरिकों के लिए पैदल चलने, घूमने व बैठने की जगहें उत्तरोत्तर सिकुड़ती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, आए दिन बढ़ती दुर्घटनाओं और बीमारियों ने लोगों को अपने घरों तक सीमित रहने पर मजबूर कर दिया है। आज बच्चे खुले मैदानों में खेलने के बजाय मोबाइल गेम्स की तरफ उन्मुख हैं और महिलाएं स्क्रीन पर रील्स देखने में व्यस्त हो गई हैं। मोहल्ले की वे सड़कें, जो कभी बच्चों की किलकारियों, औरतों की बैठकों और बुजुर्गों की सांध्य-आवाजाही से गुलजार रहती थीं, आज मोटर वाहनों की चिल्ल-पों और अंधाधुंध दौड़-भाग से भयाक्रांत हो चुकी हैं।

कोर्ट ने जहां एक ओर सुरक्षित फुटपाथ देने और उन्हें बनाए रखने की सरकारी अधिकारियों की ज़िम्मेदारी निर्धारित की, वहीं दूसरी ओर उन्हें चलने योग्य, सुरक्षित व बाधामुक्त बनाने पर भी जोर दिया। यह फैसला शहरी नियोजन की इस बुनियादी सोच को चुनौती देता है कि सड़कें मुख्यतः गाड़ियों के लिए होती हैं। साथ ही पैदल चलने वालों को यातायात में बाधा की तरह देखा जाता है।

सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार, 2024 में 36,526 पैदल चलने वालों की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई, जो सड़क पर होने वाली कुल मौतों का 20.6 प्रतिशत है। इस तरह, हादसों से मरने वाले हर पांच में से एक व्यक्ति पैदल चलने वाला होता है। अक्सर हम टूटे हुए फुटपाथ, पार्क की गई कारों, फुटपाथ पर चलती मोटरसाइकिलों, रोजी-रोटी कमाने की जद्दोजहद करने वाले रेहड़ी या खोमचे वालों, बिना ढके नालों और रास्ते के बीच में लगे बिजली के खंभों से दो-चार होते हैं, जिनसे फुटपाथ का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाता है।

विदेशों में पैदल पथ, उनके दोनों ओर की हरित पट्टिकाएं, खेलते बच्चे और मजे करते लोग शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यूरोपीय देशों में सड़कों को कारों की स्पीड के बजाय लोगों के हिसाब से डिजाइन किया जाता है। सुरक्षित पैदल चलने और साइकिल चलाने के नेटवर्क, ट्रैफि क-शांत पड़ोस और पैदल चलने वालों के लिए बने टाउन सेंटर ने सक्रिय आवाजाही को शहरी जीवन का एक जरूरी हिस्सा बना दिया है।

पेरिस का 15-मिनट का शहर सिद्धांत जरूरी सेवाओं को पैदल या साइकिल की दूरी पर रखने की कोशिश करता है। शहर ने साइकिल चलाने के बुनियादी ढांचे को काफी बढ़ाया है और सैकड़ों पैदल चलने वाली स्कूल सड़कें बनाई हैं। इसका मकसद गाड़ियों पर निर्भरता कम करना, हवा की गुणवत्ता सुधारना और रोजाना की शारीरिक गतिविधियों को शहरी जीवन का हिस्सा बनाना भी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सुरक्षित पैदल चलने, शारीरिक सक्रियता, साफ हवा और सड़क सुरक्षा को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। अगर दुनिया की आबादी ज्यादा शारीरिक रूप से सक्रिय हो, तो हर साल 4 से 5 मिलियन मौतों को रोका जा सकता है। इसलिए, सुरक्षित पैदल चलने की सहूलियत रोगों से बचाव का एक माध्यम बन जाती है। इससे ऊर्जा भी बचती है, खर्चा भी बचता है, प्रदूषण भी नहीं होता और सड़क पर जाम भी नहीं लगता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की पहल पर बैंगलोर में चर्च स्ट्रीट पर एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत नवंबर 2020 और अप्रैल 2021 के बीच सप्ताहांत में 750 मीटर के हिस्से को मोटर गाड़ियों के लिए बंद कर दिया गया और इसके नतीजे चौंकाने वाले थे। पायलट प्रोजेक्ट के दौरान, आसपास के दुकानदारों का व्यवसाय बढ़ने के साथ-साथ हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ ही, पैदल चलने वालों की संख्या में औसतन 92 से 117 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। लोगों ने वाहनों के बजाय पैदल चलना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना शुरू किया। चर्च स्ट्रीट की सफलता यह बताती है कि जब लोगों को सुरक्षित और आकर्षक सार्वजनिक जगह मिलती है, तो वे उसका इस्तेमाल करते हैं।

शहर में वेंडिंग जोन और पार्किंग स्थल नियत होने चाहिए, ताकि फुटपाथ पूरी तरह पैदल चलने वालों के लिए बचे रहें। यूटिलिटी पोल, ट्रांसफॉर्मर और दूसरे बुनियादी ढांचे से फुटपाथ पर रुकावट नहीं आनी चाहिए। एक अच्छे व्यवस्थित शहर की परख इस बात से होनी चाहिए कि क्या कोई बच्चा सुरक्षित रूप से स्कूल जा सकता है, क्या कोई बुजुर्ग सड़क पर उतरे बिना बाजार पहुंच सकता है, क्या व्हीलचेयर इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति बस स्टॉप तक पहुंच सकता है?

कविता का कोना

मोबाइल की लत ने जमाने को मार डाला,
खाना-पीना, जीना तक हराम कर डाला।
हाथों में मोबाइल, नजरें स्क्रीन पर,
अपनों से दूर, खुद को ही अकेला कर डाला।
मोबाइल पकड़कर गूंगे-बहरे बैठे हैं लोग,
पास होकर भी दूर-दूर रहते हैं लोग।
बात करने की तमीज भूल गए हैं लोग,
रिश्तों की मिठास भी भूल गए हैं लोग।
मां पुकारती है, बेटा स्क्रीन में खोया है,
पिता कुछ कहें तो कानों ने जैसे सोया है।
दोस्त सामने बैठे, फिर भी चैट चल रही,
अपनों की जगह अब मोबाइल से बात हो रही।
अच्छाई को छोड़कर बुराई अपनाने लगे हैं लोग,
झूठी चमक के पीछे भागने लगे हैं लोग।
जो समय कभी परिवार के नाम हुआ करता था,
आज वही समय रीलों में गँवाने लगे हैं लोग।
सड़क पर चलते हुए भी नजर मोबाइल में रहती है,
एक छोटी-सी भूल जिंदगी भर की सजा देती है।
हो रही दुर्घटनाएं, सड़क पर मर रहे हैं लोग,
फिर भी मोबाइल की दुनिया में खोए हैं लोग।
तकनीक बुरी नहीं, उसकी गुलामी बुरी है,
मोबाइल जरूरी है, मगर उसकी अति बुरी है।
इसे साधन बनाओ, अपनी जिंदगी मत बनाओ,
अपनों को वक्त दो, रिश्तों को फिर से सजाओ।
चलो आज एक संकल्प हम सब मिलकर करें,
मोबाइल से नहीं, अपनों से दिल की बात करें।
कुछ पल स्क्रीन से हटकर दुनिया को निहारें,
हंसते हुए परिवार के साथ जिंदगी गुजारें।
मोबाइल हाथ में रहे, मगर दिल पर राज न करे,
जिंदगी खूबसूरत है—इसे स्क्रीन के नाम न करे।

कवियत्री-ममता दुबे भिलाई

सिंधु नदी पर भारत के 36 बांध से लद्दाख का कायाकल्प और पाकिस्तान की बढ़ती रणनीतिक बेचैनी

अशोक भाटिया

दक्षिण एशिया की भूराजनीति में पानी हमेशा से केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि रणनीतिक संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अचूक हथियार रहा है। हाल ही में भारत सरकार और लद्दाख प्रशासन द्वारा सिंधु नदी और उसकी सहायक उप-नदियों पर एक साथ 36 नए रॉक डैम बनाने के मेगा प्रपोजल ने इस क्षेत्र की जल-भूराजनीति में एक नया भूचाल ला दिया है। मुख्यधारा के मीडिया और रक्षा गलियारों में भारत का बड़ा धमाका कहे जा रहे इस कदम ने सीमा पार पाकिस्तान में भारी हड़कंप मचा दिया है।

पाकिस्तान, जो पहले से ही गहरे आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और खराब जल प्रबंधन से जूझ रहा है, के लिए सिंधु नदी के ऊपरी जलप्रवाह क्षेत्र में भारत की यह सक्रियता एक गंभीर अस्तित्वगत संकट की तरह देखी जा रही है। यह परियोजना केवल लद्दाख के ठंडे मरुस्थल को हरा-भरा करने का एक स्थानीय प्रयास मात्र नहीं है, बल्कि यह नई दिल्ली द्वारा इस्लामाबाद को दिया गया एक बेहद कड़ा और स्पष्ट रणनीतिक संदेश है। यह कदम दिखाता है कि भारत अब सिंधु जल संधि की तकनीकी कमियों और अपनी भौगोलिक स्थिति का उपयोग अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और सुरक्षा हितों को सुरक्षित करने के लिए पूरी आक्रामकता से करने के लिए तैयार है।

इस पूरी परियोजना के मूल में लद्दाख की अनूठी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां हैं। लद्दाख को एक शीत मरुस्थल कहा जाता है, जहां वार्षिक वर्षा नगण्य होती है और कृषि पूरी तरह से ग्लेशियरों के पिघलने से आने वाले पानी पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहे हैं, जिससे सर्दियों और गर्मियों के शुरूआती महीनों में पानी का भारी संकट पैदा हो जाता है। ऐसे में लद्दाख प्रशासन ने एक बेहद व्यावहारिक, पर्यावरण-अनुकूल और किफायती समाधान खोजा है—रॉक डैम तकनीक। पारंपरिक रूप से बनने वाले कंक्रीट के विशालकाय बांधों के विपरीत, ये रॉक डैम स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पत्थरों, कंकड़-पत्थरों और मिट्टी से निर्मित किए जाते हैं। इस मेगा प्रोजेक्ट की सबसे हैरान करने वाली बात इसकी लागत है; मात्र 56 करोड़ के अनुमानित बजट में सभी 36 बांधों को तैयार करने का प्रस्ताव है। यह दुनिया का सबसे सस्ता और अत्यधिक प्रभावी इरीगेशन मॉडल साबित होने जा रहा है। इसका एक सफल पायलट प्रोजेक्ट पहले ही लेह में देखा जा चुका है, जहां महज 7 दिनों के भीतर और केवल 10 लाख रुपये की लागत से एक रॉक डैम खड़ा कर दिया गया था। जब ये 36 बांध पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएंगे, तो इनसे लद्दाख की लगभग 18,600 एकड़ सूखी और बंजर भूमि को नियमित रूप से सिंचाई का पानी मिल सकेगा। यह तकनीक स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को बिना कोई नुकसान पहुंचाए सर्दियों के दौरान बह जाने वाले अतिरिक्त पानी को रोककर भूजल स्तर को रीचार्ज करेगी और गर्मियों के लिए पानी का संचय करेगी, जिससे स्थानीय जनजातीय आबादी की आर्थिक और खाद्य सुरक्षा को एक नई ताकत मिलेगी।

भारत के इस कदम से पाकिस्तान के भीतर जो खलबली मची है, उसके पीछे गहरे ऐतिहासिक और भौगोलिक कारण हैं। सिंधु नदी तंत्र को पाकिस्तान की लाइफ-लाइन या जीवनरेखा कहा जाता है। पाकिस्तान की 80 प्रतिशत से अधिक कृषि भूमि सीधे तौर पर सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के बेसिन पर निर्भर है। पाकिस्तान की पूरी खाद्य सुरक्षा, कपड़ा उद्योग (जो उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है), और जलविद्युत उत्पादन इसी नदी तंत्र के पानी से संचालित होते हैं। ऐसे में जब भारत सिंधु नदी के मुख्य प्रवाह क्षेत्र में 36 नई संरचनाएं बनाने की घोषणा करता है, तो पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां और जल नीति विशेषज्ञ इसे एक बड़े खतरे के रूप में देखते हैं। तकनीकी रूप से भले ही ये रॉक डैम पानी को पूरी तरह से रोकने या मोड़ने वाले विशाल जलाशय न हों, लेकिन पाकिस्तान को डर है कि ऊपरी प्रवाह पर इतनी बड़ी संख्या में नियंत्रण बिंदु स्थापित करके भारत ने भविष्य के लिए एक बहुत बड़ा रणनीतिक लाभ हासिल कर लिया है। पाकिस्तान को यह आशंका सता रही है कि सूखे के दिनों में भारत इन बांधों के माध्यम से पानी के प्रवाह को धीमा कर सकता है या अपनी जरूरत के हिसाब से पानी को संचित कर सकता है, जिससे पाकिस्तान के निचले मैदानी इलाकों में कृषि पूरी तरह ठप हो सकती है। पानी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए यह डर केवल काल्पनिक नहीं है, बल्कि उसके अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न बन गया है।

इस पूरे घटनाक्रम को 1960 में हुई ऐतिहासिक सिंधु जल संधि के चश्मे से देखना बेहद जरूरी है। विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई इस संधि के तहत छह नदियों के पानी को दोनों देशों के बीच विभाजित किया गया था, जिसमें तीन पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास, सतलुज) पर भारत को पूर्ण अधिकार दिया गया और तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) का अधिकांश पानी पाकिस्तान को आवंटित किया गया। हालांकि, इस संधि में भारत को पश्चिमी नदियों पर रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाओं के तहत घरेलू उपयोग, सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन के लिए सीमित उपयोग की अनुमति दी गई है। भारत का यह नया रॉक डैम प्रोजेक्ट पूरी तरह से संधि के इसी दायरे के भीतर आता है क्योंकि ये बांध पानी के प्राकृतिक मार्ग को स्थायी रूप से अवरुद्ध नहीं करते, बल्कि केवल उसके वेग को नियंत्रित कर जल संचयन करते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में भारत का रुख इस संधि को लेकर बेहद कड़ा हुआ है। सीमा पार से लगातार जारी आतंकवाद और विशेष रूप से हाल के वर्षों में पुंछ और पहलगाम जैसे क्षेत्रों में हुए आतंकी हमलों के बाद भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि रक्त और पानी एक साथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि की समीक्षा और उसमें संशोधन के लिए पाकिस्तान को औपचारिक नोटिस भी जारी किए हैं। वर्तमान भूराजनीतिक परिदृश्य में लद्दाख में इन 36 बांधों के निर्माण को भारत की इसी नई और आक्रामक जल-नीति के क्रियान्वयन के रूप में देखा जा रहा है, जहां भारत अब बिना किसी हिचकिचाहट के अपने कानूनी अधिकारों का पूर्ण उपयोग जमीन पर कर रहा है।

लद्दाख में 36 रॉक बांधों का निर्माण केवल स्थानीय विकास की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक चतुर और दूरदर्शी ह्यवॉटर डेटरेंसह्ल का हिस्सा है। पिछले कई दशकों से पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ छद्म युद्ध और आतंकवाद को अपनी राज्य नीति का हिस्सा बना रखा था, और भारत इस पर राजनयिक और सैन्य स्तर पर प्रतिक्रिया देता था। लेकिन अब भारत ने जल संसाधनों को एक रणनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। सिंधु नदी पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करके नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि यदि सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद नहीं किया गया, तो भारत के पास पाकिस्तान की जीवनरेखा की चाबी मौजूद है। इसके अलावा, यह क्षेत्र चीन की सीमा के भी बेहद करीब है। लद्दाख में भारत द्वारा बुनियादी ढांचे का इतनी तेजी से विकास करना, चाहे वह सड़कें हों, टनल हों या जल परियोजनाएं, बीजिंग और इस्लामाबाद के संयुक्त गठजोड़ को भी एक सीधी चुनौती है। भारत यह प्रदर्शित कर रहा है कि वह अपनी सीमाओं के भीतर किसी भी भौगोलिक स्थिति में बड़े और दूरगामी रणनीतिक प्रोजेक्ट्स को अंजाम देने की पूरी क्षमता रखता है।

अंततः, सिंधु नदी पर बनने वाले ये 36 रॉक डैम नए भारत की बदली हुई सोच और उसकी सामरिक परिपक्वता के प्रतीक हैं। एक तरफ जहां यह परियोजना लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारेगी, कृषि को बढ़ावा देगी और पर्यावरण का संरक्षण करेगी, वहीं दूसरी तरफ यह भारत की क्षेत्रीय संप्रभुता को एक नई मजबूती प्रदान करेगी। पाकिस्तान के लिए इस पूरे घटनाक्रम में एक बड़ा सबक छिपा है। पाकिस्तान को यह समझना होगा कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को हथियार बनाने की उसकी जिद अब खुद उसके लिए आत्मघाती साबित हो रही है। यदि पाकिस्तान अपनी कृषि और अर्थव्यवस्था को बचाना चाहता है, तो उसे भारत के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का रास्ता चुनना होगा और आतंकवाद के रास्ते को हमेशा के लिए छोड़ना होगा। भारत का यह बड़ा धमाका बिना एक भी गोली चलाए, अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने और पड़ोसी देश की शत्रुतापूर्ण नीतियों को नियंत्रित करने की आधुनिक भूराजनीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो आने वाले दशकों में दक्षिण एशिया के नक्शे और शक्ति संतुलन को स्थायी रूप से प्रभावित करेगा।

रक्षाबंधन पर सेक्टर-5 कार्यालय में हजारों बहनों ने भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव को बांधी राखी

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी गीतों और सुआ नृत्य की प्रस्तुति ने उत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की रंगत घोल दी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रक्षाबंधन के अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के सेक्टर-5 स्थित कार्यालय में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में महिलाएं और युवतियां पहुंचीं और विधायक को राखी बांधकर लंबी उम्र की कामना की। सुबह से ही आयोजन स्थल पर बहनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। महिलाओं के लिए बैठने, भोजन और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी गीतों और सुआ नृत्य की प्रस्तुति ने उत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की रंगत घोल दी।

बहनों से राखी बंधवाने के बाद विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि भिलाई मेरा परिवार है और बहनों का प्यार ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी और ताकत है। रक्षाबंधन केवल राखी का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और अपनत्व का पर्व है। अपनी बहनों के साथ हर साल यह पर्व मनाना भावुक क्षण होता है।

उन्होंने कहा कि बहनों का स्नेह उन्हें जनसेवा के लिए और ऊर्जा देता है। एक भाई के रूप में वे हमेशा बहनों के सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे। महिलाओं ने कहा कि देवेंद्र यादव से उनका रिश्ता सिर्फ जनप्रतिनिधि का नहीं, बल्कि भाई के अपनत्व और विश्वास का है। समारोह में शामिल सभी बहनों का विधायक ने आभार जताया।

खास खबर

अंतिम सांस तक संघर्ष की सीख देता है खेल : कुलपति प्रो. मनोज दयाल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

खेल केवल शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती का जरिया नहीं, बल्कि यह विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी अंतिम क्षण तक संघर्ष कर विजय श्री हासिल करने का साहस प्रदान करता है। यह विचार कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (केटीयू), रायपुर के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. दयाल ने कहा कि खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, धैर्य, उत्साह, सकारात्मकता और आपसी समन्वय जैसे जीवन-मूल्यों का बीजारोपण होता है। ये गुण न केवल व्यक्तित्व को संतुलित और बहुआयामी बनाते हैं, बल्कि आज के दौर में तनाव मुक्त जीवन जीने का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में परिसर में विविध पारंपरिक एवं नवाचारी खेलों की धूम रही। इसमें विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने ओंकार दौड़, केंद्र कबड्डी, नेताजी की पहचान, मत चूको चौहान, शेर-आदमी-बंदूक और सुदर्शन चक्र जैसी स्पधाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. दयाल के साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव सुनील शर्मा, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। सभी ने खेल भावना का परिचय देते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शशिकांत द्विवेदी को मिला राज्य मंत्री का दर्जा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने विभिन्न निगम, मंडल, आयोग एवं संस्थाओं के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री एवं राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान करने संबंधी आदेश जारी किया है। 27 अगस्त 2026 को जारी आदेश में शशिकांत द्विवेदी को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के अध्यक्ष के रूप में राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा राज्यपाल के नाम से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राज्य शासन द्वारा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को प्रदान किए गए मंत्री दर्जा के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने का दायित्व संबंधित प्रशासनिक विभाग अथवा आयोग का होगा।

राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किए जाने पर शशिकांत द्विवेदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश भाजपा महामंत्री संगठन पवनसाय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव आदि सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ज्ञातव्य हो की शशिकांत द्विवेदी जी पूर्व में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनादगांव के भी अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनंदगांव को सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण 2011 ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार से नवाजा गया था। इसी प्रकार सन 2024 में श्री द्विवेदी को व्यक्तिगत रूप से सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण सम्मान 2024 ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार से नवाजा गया है। श्री द्विवेदी पूर्व में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के वरिष्ठ उपाध्याय के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। तत्पश्चात संगठन में भी भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक का दायित्व भी पांच वर्षों तक बखूबी निभाया है।उन्हें सहकारिता के क्षेत्र में कार्य करने का लंबा अनुभव रहा है। श्री द्विवेदी को राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किए जाने से भाजपा समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने द्विवेदी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके अनुभव एवं कुशल नेतृत्व से छत्तीसगढ़ सहकारिता के क्षेत्र में विकास की उम्मीद जताई है।

शराब व चखना का शौक बन सकता है मौत का कारण?

कोसीर चखना दुकान में लेन-देन को लेकर युवक पर जानलेवा हमला

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़

छत्तीसगढ़ में शराब बिक्री के साथ सरकार ने शराब प्रेमियों के लिए चखना दुकान (फूड जोन) की स्थापना की है। सरकार की सोच यह थी कि शराब पीने वाले लोग सड़क किनारे अराजकता न फैलाएं, बल्कि एक व्यवस्थित जगह पर बैठकर चखना खाते हुए शराब का सेवन करें। इससे राजस्व भी बढ़ेगा और कानून व्यवस्था भी बनी रहेगी। सरकार की यह सोच अच्छी थी, लेकिन जमीनी हकीकत में इस पर तब पलीता लग जाता है, जब इन्हीं चखना दुकानों में गुंडागर्दी और जानलेवा हमले की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसी ही एक सनसनीखेज घटना सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के कोसीर गांव के देसी-विदेशी शराब दुकान के समीप स्थित शासकीय चखना दुकान में सामने आई है। जहां चखना के लेन-देन और मामूली विवाद में चखना दुकान के संचालक और वहां काम कर रहे उसके सहयोगियों द्वारा एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। हमले में युवक को गंभीर और गहरी चोटें आई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और शराब दुकानों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 27 अगस्त की रात करीब 9.30 बजे की है। जहां कोसीर निवासी रिपोर्टकर्ता लखन लहरे और उसका साथी मनोज कुमार सुमन शराब दुकान से शराब लेकर चखना दुकान पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि उनके पहुंचने से पहले ही कोसीर के ही मनोज सुमन के पहचान के कुछ अन्य साथी पहले से चखना दुकान में बैठे हुए थे। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों और पीड़ित के अनुसार, चखना दुकान में पहले से बैठे युवकों के साथ चखना दुकानदार का चखने के पैसे को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि चखना संचालक द्वारा ग्राहकों से अधिक पैसे वसूले जा रहे थे और इसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी। वहीं जब लखन लहरे और मनोज सुमन वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उनके गांव के युवकों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने बीच-बचाव करने और समझाने की कोशिश की। बस यही बीच-बचाव करना उस युवक को महंगा पड़ गया। जहां आरोप है कि चखना संचालक और उसके साथ काम करने वाले 2-3 सहयोगियों ने अचानक आक्रामक होकर मनोज कुमार सुमन पर हमला कर दिया। उन्होंने लाठी-डंडे, कांच की बोतल और हाथ-मुक्कों से युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। खून से लतपत हो गया ।वहीं हमले में युवक के सिर, हाथ और पीठ पर गंभीर चोटें आई। वह खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़ा। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास बैठे शराब पीने वाले लोग भी डर के मारे भाग खड़े हुए।

दोस्त के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ खड़ा होना पड़ा भारी

जहां पीड़ित मनोज सुमन के परिजनों का कहना है कि मनोज का कोई कसूर नहीं था। वह तो सिर्फ अपने गांव के युवक के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ खड़ा हुआ था। वहीं परिजनों ने बताया मनोज बहुत सीधा लड़का है। वह अपने दोस्त के साथ चखना खाने गया था। वहां चखना वाले गुंडागर्दी कर रहे थे। जब रुपए के लेन देन कहा कि भैया गरीब लोगों से ज्यादा पैसा मत लो, गाली मत दो तो उन्होंने उसे ही मारना शुरू कर दिया।

वहीं पीड़ित युवक को पहले कोसीर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे सारंगढ़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार युवक के सिर पर 8 टांके आए हैं और हाथ में फ्रैक्चर की आशंका है।

घटना के बाद पीड़ित के साथी मनोज कुमार सुमन ने तत्काल कोसीर पुलिस थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। और पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर चखना दुकान संचालक जितेंद महिलाने उसकें पिता शिव नंदन महिलाने और उसके विशेष सहयोगियों में प्रकाश बंजारे के खिलाफ धारा 115(2), 117(2), 296, 351(2) इठर के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में ढील बरत रही है। आरोपी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं।

सरकार की अच्छी योजना पर लग रहा पलीता

छत्तीसगढ़ सरकार ने शराब दुकानों के साथ चखना सेंटर की योजना इसलिए शुरू की थी ताकि शराबी सड़क पर, सार्वजनिक स्थानों पर शराब न पिएं। अवैध चखना दुकानों पर रोक लगे। लोगों को रोजगार मिले। शांति व्यवस्था बनी रहे। लेकिन कोसीर जैसी घटनाएं सरकार की इस पूरी योजना पर सवाल खड़ा कर रही हैं। आरोप है कि कई जगहों पर चखना दुकान का ठेका लेने वाले लोग शराबियों से दोगुने-तिगुने दाम पर चखना बेचते हैं। चखने की क्वालिटी भी खराब होती है। विरोध करने पर मारपीट और गाली-गलौज आम बात हो गई है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि कोसीर चखना दुकान में पहले भी कई बार इस तरह के विवाद हो चुके हैं। शाम होते ही वहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। शराब दुकान बंद होने के बाद भी चखना दुकान देर रात तक खुली रहती है, जहां अवैध रूप से शराब पिलाई जाती है।

शराब दुकानें बन रही हैं अपराध का अड्डा?

यह घटना एक बार फिर सोचने पर मजबूर करती है कि क्या शराब और चखना दुकानें अपराध का अड्डा बनती जा रही हैं? क्या चखना दुकानों पर कोई रेट लिस्ट नहीं होनी चाहिए? क्या वहां पुलिस की गश्त नहीं होनी चाहिए? क्या सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य नहीं होना चाहिए? क्या संचालकों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं होना चाहिए? जहां स्थानीय ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और आबकारी विभाग से मांग की है कि कोसीर चखना दुकान का लाइसेंस तत्काल निरस्त किया जाए और आरोपी संचालक को गिरफ्तार किया जाए। साथ ही सभी चखना दुकानों में रेट लिस्ट, सीसीटीवी और पुलिस सुरक्षा अनिवार्य की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

ग्रीन स्टील टेक्नोलॉजी पर रीजनल कार्यशाला करेगा IIIE भिलाई चैप्टर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग (IIIE) भिलाई चैप्टर ने ग्रीन स्टील टेक्नोलॉजी पर भिलाई में रीजनल कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया है। रविवार को सूर्या मॉल के निकट ICH में हुई चैप्टर काउंसिल की बैठक में यह फैसला लिया गया। अध्यक्षता चेयरमैन के. पटेल ने की। बैठक में वाइस चेयरमैन घनश्याम कुमार देवांगन, सचिव अवनीश दुबे, कोषाध्यक्ष विवेक गुप्ता, पूर्व चेयरमैन एचके देसाई, एसके डोगरा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बैठक में बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण और सतत औद्योगिक विकास के लिए ग्रीन स्टील टेक्नोलॉजी भविष्य की जरूरत है। कार्यशाला में इंजीनियरिंग कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा।

वाइस चेयरमैन घनश्याम देवांगन ने बताया कि छात्र-केंद्रित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्कूल-कॉलेजों में सेमिनार, कार्यशाला और प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जिसमें विजेताओं को पुस्तकें उपहार में दी जाएंगी। इसके अलावा इंजीनियरों को शोध-पत्र लिखने, जर्नल्स में प्रकाशन के लिए प्रोत्साहित करने, बालोद सहित आसपास के जिलों में तकनीकी गतिविधियां बढ़ाने और डिजिटल उपस्थिति मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ विशाल सिंह के सहयोग से कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

पुलिसकर्मी के ही घर में चोरी, रात्रि गश्त पर गया था आरक्षक

रायपुर। शहर की सुरक्षा करने वाले पुलिसकर्मी के घर में ही चोरों ने धावा बोल दिया। पंडरी थाना क्षेत्र के दुबे कॉलोनी स्थित ग्रैंडले विहार में महिला थाना में पदस्थ आरक्षक दीपक पटेल के सूने मकान से चोर डेढ़ लाख नकद और 3 लाख 20 हजार के जेवरात ले गए। जानकारी के मुताबिक रक्षाबंधन पर आरक्षक की पत्नी और बच्चे गांव गए थे। आरक्षक खुद रात्रि गश्त पर था। इसी दौरान चोरों ने ताले तोड़कर अलमारियां खंगाल दीं। सुबह लौटने पर ताले टूटे मिले। सूचना पर पंडरी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

निवार बना सीखने-खेलने और सृजन का दिन, बैगलेस डे पर स्कूलों में दिखी नई रौनक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शनिवार को जिले के स्कूलों में कक्षाओं का माहौल कुछ अलग था। कंधों पर बस्ते नहीं थे, लेकिन सीखने का उत्साह भरपूर था। कहीं बच्चे खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा दिखा रहे थे, तो कहीं बाल फिल्म के जरिए नई दुनिया से रूबरू हो रहे थे। किसी विद्यालय में स्वच्छता का संदेश गूंजा, तो कहीं रक्षाबंधन पर रचनात्मक लेखन के माध्यम से बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को शब्द दिए। बैगलेस डे ने शनिवार को विद्यालयों को सीखने, सृजन और सहभागिता के जीवंत मंच में बदल दिया।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र पाटले तथा जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती लता बेक सूरजपुर के निदेर्शानुसार जिले के समस्त विद्यालयों में बाल फिल्म प्रदर्शन, खेलकूद गतिविधि, स्वच्छता अभियान एवं रक्षाबंधन आधारित रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सेजस भैयाथान एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैजनाथपुर में खंड शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में गतिविधियों का अवलोकन किया गया। मुख्यमंत्री डीएवी ओड़गी में खो-खो प्रतियोगिता हुई, वहीं पीएम सेजस ओड़गी में स्लमडॉग मिलेनियर बाल फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान डीएमसी मनोज साहू, सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ फिल्म देखी।

प्रेमनगर के पीएम श्री चंदननगर, भैयाथान के शिवप्रसाद नगर, सूरजपुर के जयनगर, रामानुजनगर के परशुरामपुर, पस्ता और ओड़गी के चेंद्रा सहित अधिकांश विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, एलईडी टीवी, लैपटॉप एवं मोबाइल के माध्यम से बाल फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही ओड़गी विकासखंड के सभी 18 हायर सेकंडरी स्कूलों का भौतिक एवं दूरभाष के माध्यम से निरीक्षण कर सरगुजा ओलंपिक में 14 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए और इसकी मॉनिटरिंग भी की गई।

मिला सुविधा का लाभ | रायगढ़ जिला चिकित्सालय में 25 हजार 835 जांचें पूरी, 134 प्रकार की जांच की सुविधा नि :शुल्क उपलब्ध

अटल आरोग्य लैब बनी मरीजों के लिए बड़ी राहत, 6 हजार से अधिक मरीजों ने कराया जांच

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार की अटल आरोग्य लैब योजना सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रही है। योजना के अंतर्गत किरोड़ीमल जिला चिकित्सालय, रायगढ़ में संचालित अटल आरोग्य लैब से मरीजों को विभिन्न प्रकार की चिकित्सा जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसका लाभ बड़ी संख्या में मरीजों को मिल रहा है। बीते दो माह में 6 हजार 44 मरीजों ने लैब की सुविधा का लाभ उठाया है। इस अवधि में कुल 25 हजार 835 जांचें संपन्न की जा चुकी हैं।

जिला चिकित्सालय स्थित अटल आरोग्य लैब में 134 प्रकार की विभिन्न चिकित्सा जांच की सुविधा उपलब्ध है। इससे मरीजों को आवश्यक जांच के लिए निजी पैथोलॉजी सेंटरों पर निर्भरता कम हुई है। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए निःशुल्क जांच की यह सुविधा उपचार के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी खर्च को कम करने में भी मददगार साबित हो रही है।

अटल आरोग्य लैब योजना का उद्देश्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक एवं विश्वसनीय जांच सुविधाओं का विस्तार करना है, ताकि मरीजों को उपचार के लिए आवश्यक जांच उनके जिले में ही उपलब्ध हो सके। इससे ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों से जिला चिकित्सालय पहुंचने वाले मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

लैब में जांच प्रक्रिया को आधुनिक और सुविधाजनक बनाया गया है। जांच के उपरांत रिपोर्ट डिजिटल माध्यम से मरीजों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इससे मरीजों को रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए बार-बार अस्पताल आने की आवश्यकता नहीं पड़ती और चिकित्सकों को भी समय पर जांच रिपोर्ट उपलब्ध होने से उपचार प्रक्रिया में तेजी आती है।

अटल आरोग्य लैब के माध्यम से सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में जांच सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को एक ही स्थान पर आवश्यक जांच, समय पर रिपोर्ट और बेहतर उपचार की सुविधा मिल रही है। निःशुल्क जांच की सुविधा से आर्थिक बचत के साथ मरीजों का समय भी बच रहा है। यह पहल प्रदेश में सुलभ और जन-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

सक्ती जिले में एलपीजी रिफिल आपूर्ति के लिए वैकल्पिक व्यवस्था

नई दृष्टिबिंदु / सक्ती

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा नगरदा, जिला सक्ती में संचालित इंडेन गैस डिस्ट्रीब्यूटरशिप, मेसर्स नगरदा इंडेन ग्रामीण वितरक को प्रशासनिक कारणों से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इसके मद्देनजर नगरदा इंडेन ग्रामीण वितरक से रिफिल आपूर्ति प्राप्त करने वाले सभी सम्मानित इंडेन उपभोक्ताओं को निर्बाध रूप से एलपीजी सेवा उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

क्षेत्रवार व्यवस्था के तहत सक्ती एवं आसपास के इंडेन उपभोक्ताओं को मेसर्स पंचमुखी इंडेन, सक्ती द्वारा रिफिल की आपूर्ति की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर उपभोक्ता 9131960294 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। इसी प्रकार नगरदा एवं आसपास के इंडेन उपभोक्ताओं को मेसर्स जैजैपुर इंडेन ग्रामीण वितरक, जैजैपुर द्वारा रिफिल की आपूर्ति की जाएगी। आवश्यकता होने पर उपभोक्ता +91-7477248920 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर उपभोक्ता इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंडेन मंडल कार्यालय, रायपुर के संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। एलपीजी ग्राहक सेवा अधिकारी के संपर्क नंबर 0771-4313009 एवं 0771-4313026 हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उपभोक्ताओं को पूर्व की तरह खुदरा बिक्री मूल्य पर ही एलपीजी रिफिल की आपूर्ति की जाएगी।

अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।'

अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं। अभिनेत्री से सवाल किया, 'शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?'

इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, 'असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।'

भंसाली की माइथोलॉजिकल फिल्म में करीना की एंट्री

संजय लीला भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हाल ही में मिथ्रन ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया है।

क्या साथ नजर आएंगे करीना और धनुष?

निर्देशक पीएस मित्रन ने बताया कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान और धनुष के साथ बातचीत चल रही है। पीएस मित्रन इन दिनों 'सरदार 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान 'सिनेमा विकटन' से बात करते हुए मित्रन ने कहा, 'करीना और धनुष से बातचीत चल रही है, हम कन्फर्मेशन के लिए तारीखें देख रहे हैं। उम्मीद है कि इससे कुछ अच्छा नतीजा निकलेगा'। मित्रन के इस अपडेट के बाद भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म के लिए करीना और धनुष के साथ आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है।

इसी साल शूटिंग शुरू होने की उम्मीद

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अभी लिखने के स्टेज पर है और फाइनल होने से पहले इसकी स्क्रिप्ट को कई बार फिर से लिखा गया है। उसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवंबर 2026 में प्री-प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, जनवरी 2027 में मुख्य शूटिंग की योजना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह हिंदी सिनेमा में मित्रन के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। इसी के साथ इस फिल्म में धनुष और करीना कपूर खान पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, 2000 के दशक की शुरुआत में मनमुटाव के बाद संजय लीला भंसाली के साथ करीना इस फिल्म में पहली बार काम करेंगी।

क्या सुलझ गया करीना और भंसाली का पुराना विवाद?

बता दें कि संजय लीला भंसाली ने साल 2002 में फिल्म 'देवदास' बनाई थी। कथित तौर पर इस फिल्म के लिए करीना कपूर को पारो की भूमिका के लिए अप्रोच किया था। अभिनेत्री ने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था। हालांकि, बाद में पारो के रोल के लिए भंसाली ने ऐश्वर्या राय बच्चन को चुन लिया। 2002 में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा था, 'उन्होंने मेरे साथ जो किया, वह गलत था। उन्होंने 'देवदास' (2002) के लिए मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया। मुझे साइनिंग अमाउंट दिया और फिर किसी और को ले लिया। यह गलत था और मुझे इसलिए ज्यादा बुरा लगा, क्योंकि मैं अपने करियर की शुरुआत में थी'।

भंसाली ने क्या कहा था?

भंसाली ने कहा था कि करीना ने ही इस रोल के लिए उनसे संपर्क किया था और स्क्रीन टेस्ट का मतलब यह पक्का होना नहीं था कि उन्हें फिल्म में कास्ट किया जाएगा। जुलाई 2002 में फिल्मफेयर से बात करते हुए उन्होंने याद किया कि करीना डिजाइनर नीता लुल्ला के साथ उनके घर आई थीं। भंसाली ने कहा कि उन्होंने स्क्रीन टेस्ट तो किया था, लेकिन इसका मतलब यह पक्का नहीं था कि करीना को फिल्म में कास्ट किया जाएगा। बता दें कि अगर भंसाली की फिल्म में करीना नजर आती हैं, तो यह माना जा सकता है कि निर्देशक के साथ उनका पुराना मनमुटाव खत्म हो चुका है। करीना के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे मेघना गुलजार निर्देशित फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी।

स्क्रीन पर कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, 'टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है।' अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, 'हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं हैं और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब भी उन्हें कोई रोल ऑफर होता है, तो वह पहले अपने किरदार के बारे में सोचती हैं कि उसमें क्या नयापन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे कोई रोल ऑफर होता है, तो मेरे लिए यह समझना बहुत जरूरी होता है कि मैं उस किरदार में क्या ला सकती हूं। एक एक्टर के तौर पर, मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं? उसके बाद, कैरेक्टर के बारे में मेरी समझ बहुत जरूरी हो जाती है। मेरे लिए स्क्रीन पर रोल के साथ जस्टिस करना और यह पक्का करना भी उतना ही जरूरी है कि लोग उससे कनेक्ट करें।'

मेरे लिए जन्मदिन खुद के बारे में सोचने का एक समय है

'दृश्यम' और 'बेपनाह' जैसी फिल्मों और टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं एक्ट्रेस इशिता दत्ता बुधवार को अपना 36वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास दिन पर उन्होंने अपनी जिंदगी और अब तक की जर्नी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके लिए बर्थडे वह समय होता है, जब वह थोड़ा रुककर जिंदगी को देखती हैं और सोचती हैं कि अब तक उन्होंने क्या हासिल किया है। एक्ट्रेस का कहना है कि जिंदगी में आगे बढ़ने और नए सपने देखने जरूरी हैं, लेकिन साथ ही उन चीजों की कद्र करना भी जरूरी है, जो हमारे पास पहले से मौजूद हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में इशिता ने अपने इस साल के अनुभव को शेयर किया।

उन्होंने कहा, ''जब मैं पीछे मुड़कर अपने बीते साल को देखती हूं, तो मुझे अपनी जिंदगी के लिए सिर्फ खुशी और आभार महसूस होता है। ऐसे कई मौके आए, जब मुझे महसूस हुआ कि मैं वाकई बहुत लकी हूं कि ऐसी जिंदगी जी रही हूं। जाहिर है, जिंदगी में हमेशा कुछ नया हासिल करने और आगे बढ़ने की इच्छा रहती है। कुछ नए लक्ष्य होते हैं और कुछ ऐसी जगहें होती हैं, जहां हम पहुंचना चाहते हैं। लेकिन, हमारे पास पहले से जो कुछ है, उसे देखना और उसकी कद्र करना भी बहुत जरूरी है। इस जन्मदिन पर मैं बस इन्हीं चीजों के लिए बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं।'' इशिता इस समय अपनी अपकमिंग प्रोजेक्ट 'घमासान' के प्रमोशन में बिजी हैं। यह जी5 पर स्ट्रीम होने वाला है। एक्ट्रेस ने कहा, ''इस प्रोजेक्ट का अनुभव मेरे लिए बहुत शानदार रहा है। मेरे जन्मदिन के आसपास इसका प्रमोशन करना काफी स्पेशल लग रहा है। किसी भी प्रोजेक्ट में आप अपनी पूरी मेहनत लगाते हैं और फिर एक ऐसा वक्त आता है, जब आप उसे ऑडियंस के सामने लेकर जाते हैं। अब मैं यह देखने के लिए काफी उत्साहित हूं कि लोगों का इस प्रोजेक्ट को लेकर कैसा रिएक्शन आता है।'' इशिता ने बताया, ''मैं इस नए साल को लेकर खुद पर ज्यादा प्रेशर नहीं डालना चाहती। मैं बस इसे जीना चाहती हूं, इसका मजा लेना चाहती हूं और इसमें पूरी तरह मौजूद रहना चाहती हूं। मैं ऐसा काम करती रहना चाहती हूं, जिससे मुझे खुशी मिले। मैं उन लोगों के साथ वक्त बिताना चाहती हूं, जो मेरे लिए मायने रखते हैं और लगातार कुछ नया सीखना चाहती हूं। अगर मैं ऐसा कर पाई, तो मुझे लगता है कि मेरा साल काफी खूबसूरत रहेगा।'' वर्कफ्रंट की बात करें तो इशिता आने वाले समय में 'दृश्यम 3' में दिखाई देंगी। 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी को दर्शकों का खूब प्यार मिला है और अब इसका तीसरा पार्ट इस कहानी का आखिरी चैप्टर होने वाला है।

सिंह वर्सेस कौर 2 में कॉमेडी, लव स्टोरी, एक्शन और ड्रामा का तड़का

एक्टर गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' के प्रमोशन में बिजी हैं। दिल्ली में हुए एक मीडिया मीट के दौरान दोनों ने फिल्म से जुड़े अपने एक्सपीरियंस शेयर किए और बताया कि वह फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए पहली बार गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल की जोड़ी पर्दे पर साथ नजर आएगी। फिल्म 11 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें कॉमेडी, रोमांस, इमोशन, एक्शन और ड्रामा का पूरा डोज देखने को मिलेगा। आईएएनएस से बातचीत में गिप्पी ग्रेवाल ने फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, ''फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' को लेकर मैं काफी एक्साइटेड हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। मैं और शहनाज गिल पहली बार किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म के पहले पार्ट को दर्शकों का काफी प्यार मिला था और इसी वजह से दूसरे पार्ट से भी हमारी काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म में कॉमेडी, लव स्टोरी, इमोशन्स, एक्शन और ड्रामा सब कुछ देखने को मिलेगा। पंजाबी सिनेमा में इस तरह की फिल्में कम देखने को मिलती हैं, इसलिए यह फिल्म दर्शकों के लिए एक अलग एक्सपीरियंस साबित होगी।''

गिप्पी ने फिल्म के म्यूजिक को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म में कुल सात गाने हैं, जिनमें रोमांटिक से लेकर देसी और भांगड़ा नंबर तक शामिल हैं। फिल्म के दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जबकि आने वाले दिनों में एक और गाना रिलीज किया जाएगा, जिसमें बी प्राक शामिल हैं। गिप्पी ग्रेवाल ने अपने किरदार के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, ''मैं फिल्म में निहाल सिंह का किरदार निभा रहा हूं, जो एक पिंड का देसी लड़का है। उसका किसी काम में मन नहीं लगता। वह अक्सर काम से बचने के लिए बहाने बनाता है और कई बार झूठ भी बोलता है। वह उल्टे-सीधे काम करता रहता है, लेकिन कहानी आगे बढ़ने के साथ उसकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आता है। निहाल सिंह एक बड़ी जिम्मेदारी उठाने का फैसला करता है और इसी जिम्मेदारी को निभाने के दौरान उसकी जिंदगी में कई तरह की मुश्किलें आती हैं। अब वह इस जिम्मेदारी को कैसे निभाता है और इसके चक्कर में उसे किन हालातों से गुजरना पड़ता है, यही फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा है।''

शहनाज गिल ने भी फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, ''जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि मैं सिर्फ अच्छे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना पसंद करती हूं और 'सिंह वर्सेस कौर 2' भी मेरे लिए ऐसा ही एक शानदार प्रोजेक्ट है। फिल्म में मैं एक बंगाली लड़की का किरदार निभा रही हूं। मेरा किरदार बंगाली लड़की का क्यों है और कहानी में उसकी क्या भूमिका है, यह दर्शकों को फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा। इस किरदार को निभाना मेरे लिए आसान नहीं था, क्योंकि मैं खुद पंजाबी हूं और बंगाली भाषा बोलने में मुझे शुरुआत में काफी परेशानी हुई। हालांकि, मुझे इसके लिए ट्रेनिंग दी गई और इसी ट्रेनिंग की मदद से मैं किरदार को सही तरीके से निभा पाई।'' शहनाज ने शूटिंग के दौरान की मस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पूरी टीम ने शूटिंग के दौरान खूब मजे किए और सेट पर माहौल काफी अच्छा रहा। जब फिल्म की शूटिंग खत्म हुई तो पूरी टीम थोड़ी उदास हो गई थी। सभी को एक-दूसरे की कमी महसूस हुई थी। अब फिल्म की बात करें तो 'सिंह वर्सेस कौर 2' को नवनीत सिंह ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल के साथ प्रिंस कंवलजीत सिंह, रघवीर बोली, हनी मट्ठू, गुलजार चहल, रुपिंदर रूपी, गुरप्रीत भंगू, गुरमीत साजन और भाना ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म को गिप्पी ग्रेवाल, रवनीत कौर ग्रेवाल, श्रीकांत मोहता और महेंद्र सोनी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी गुरप्रीत सेहजी ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले कपिल चोपड़ा और गुरप्रीत सहजी ने तैयार किया है। डायलॉग्स चंचल डाबरा और गुरप्रीत सहजी ने लिखे हैं।

सेल लैंड मोनेटाइजेशन प्रक्रिया के सरलीकरण की सुगबुगाहट

क्या पिछले आठ माह से आंदोलनरत टाउनशिप के रहवासियों को राहत मिल सकती है?

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के लगभग पांच सौ पूर्व और वर्तमान कर्मियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और निती आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी को आवेदन के माध्यम से पत्र प्रेषित कर छत्तीसगढ़ के गौरव और देश के 'इस्पात नगर' भिलाई की एक अत्यंत संवेदनशील और गंभीर समस्या की ओर आकर्षित कराया था इसके साथ ही टाउनशिप में पिछले आठ माह से लगातार धरना प्रदर्शन का दौर जारी है।केंद्र सरकार और नीति आयोग द्वारा चलाई जा रही 'लैंड मोनेटाइजेशन' (भूमि का मौद्रिकरण) नीति के तहत देश के सार्वजनिक उपक्रमों की अतिरिक्त भूमि को बेचने या उसका मौद्रिकरण करने की योजना लागू की जा रही है।

इस नीति के दायरे में भिलाई इस्पात संयंत्र (बी एस पी) की ऐतिहासिक टाउनशिप को भी शामिल किया गया है, जिससे स्थानीय जनता, वर्तमान कर्मचारियों और पूर्व इस्पात कर्मियों में भारी चिंता, आक्रोश और भय का माहौल है। योजना से प्रभावित हो रहे कमीर्यों ने बताया कि बसा-बसाया शहर और भिलाई नगर विधानसभा हो जाएगी तबाह:भिलाई टाउनशिप सिर्फ एक रिहायशी इलाका नहीं है, बल्कि यह दशकों से बसा एक सुव्यवस्थित, विकसित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर है।

यदि इस टाउनशिप की भूमि, आवासों, अस्पतालों, स्कूलों और मैत्री बाग जैसी सामाजिक संपत्तियों का मौद्रिकरण कर इन्हें निजी हाथों में बेचा गया, तो एक पूरा बसा-बसाया शहर उजड़ जाएगा। भौगोलिक और राजनैतिक दृष्टि से देखें तो इससे एक पूरी विधानसभा क्षेत्र का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा और वह विलुप्त होने की कगार पर पहुंच

जाएगी। कमीर्यों ने प्रधानमंत्री और निती आयोग के उपाध्यक्ष से आग्रह किया है कि टाउनशिप को मोनेटाइजेशन की मुहिम से बाहर रखा जाए: जनहित और भिलाई के लाखों परिवारों के भविष्य को देखते हुए प्रधानमंत्री से करबद्ध निवेदन किया गया था कि मौद्रिकरण की इस पूरी मुहिम से भिलाई टाउनशिप (आवासीय क्षेत्रों और जन-सुविधाओं) को पूरी तरह से मुक्त (हटा) कर दिया जाए।

भिलाई मे ही वैकल्पिक भूमि की प्रचुर उपलब्धता है भिलाई इस्पात संयंत्र के पास टाउनशिप और संयंत्र के विस्तार (एक्सपेंशन) के अलावा भी बहुत बड़ी मात्रा में अन्य अतिरिक्त जमीनें (गैर आबादी भूमि) उपलब्ध हैं। यदि नीति आयोग को भूमि का मौद्रिकरण करना ही है, तो उन जमीनों का उपयोग किया जा सकता है। उन खाली और गैर-आवासीय जमीनों को लेने से भिलाई की घनी आबादी, शहर की बसाहट और आम नागरिक बिल्कुल भी प्रभावित नहीं होंगे।

इसके अलावा फर्स्ट स्टेकहोल्डर्स (निवासियों) को मिले मालिकाना हक यदि किसी अत्यंत अपरिहार्य परिस्थिति में टाउनशिप की जमीनों का मौद्रिकरण करना ही पड़े, तो वर्तमान मार्केट वैल्यू या कलेक्टर गाइडलाइन मूल्य पर उन आवासों (प्लॉट साइज) को सीधे वहां रह रहे पूर्व व वर्तमान कर्मचारियों को ही बेच दिया जाए। चूंकि वे दशकों से वहां काबिज हैं, इसलिए 'फर्स्ट स्टेकहोल्डर्स' होने के नाते पहला क्लेम (अधिकार) उनका ही बनता है। इससे शहर उजड़ने से बच जाएगा तथा भिलाई की अस्मिता, सुंदरता और यहां के निवासियों के हितों की रक्षा करते हुए इस विनाशकारी योजना से भिलाई टाउनशिप को बाहर रखने की कृपा करें, ताकि देश को इस्पात देने वाले कर्मचारियों का आशियाना सुरक्षित रह सके।

इस संबंध में विस्तृत मांग और जनभावनाओं को तरजीह देते हुए सहानुभूतिपूर्वक विचार कर त्वरित व सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया गया था जिसके फलस्वरूप ही ,सेल बोर्ड की बैठकों मे पिछले कुछ दिनों से लैंड मोनेटाइजेशन पर कोई चर्चा नही हो रही है इसका कारण बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने सचिवों की बैठक मे लैंड मोनेटाइजेशन की निती मे सरलीकरण करने को कहा है भिलाई टाउनशिप के रहवासियों के लिए यह काफी राहत भरी खबर है अब देखते है नगर सेवा विभाग का इस खबर के बाद नोटिस जारी करने का सिलसिला थमता है कि नहीं।

वैसे सूत्रों से पता चला है कि सितम्बर माह से लाइसेंस एंव रिटेंशन धारियों को आगामी आदेश तक नोटिस नही जारी किए जाएंगे जब तक कि नेशनल लैंड मोनेटाइजेशन कार्पोरेशन और सेल के बीच नया ड्राफ्ट ना तैयार हो जाए यह विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए आंदोलन और टाउनशिप के रहवासियों के संघर्ष के कारण ही संभव हो पाया है अब देखना यह है कि सेल बोर्ड की आगामी बैठकों में इस्पात सचिव इस मुद्दे पर अधिकृत तौर पर क्या आदेश देते हैं उसके बाद ही कोई नतीजें पर पंहुचा जा सकता है।

खास खबर

3 भैंसों को बेचने ले जा रहा पिकअप पकड़ाया नाकाबंदी में चालक सहित तीन गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

लोहरा क्षेत्र में 3 भैंसों को पिकअप वाहन में भरकर बिक्री के लिए ले जाने का मामला सामने आया है। गौसेवक मनीष शर्मा को मिली सूचना के आधार पर वाहन को रोककर पूछताछ की गई, लेकिन इसी दौरान चालक वाहन लेकर भागने लगा। इसके बाद गौसेवकों ने आगे नाकाबंदी कर पिकअप को रोक लिया। मौके पर स्वामी अंकित देवांगन ने बताया कि प्रारंभिक सूचना में पशु तस्करी की बात स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई थी। पूछताछ के दौरान भैंसों को बेचने के लिए ले जाने की जानकारी सामने आई।

बताया जा रहा है कि पिकअप में 3 भैंसें थीं, जिनकी कीमत करीब 10 हजार रुपये प्रति भैंस बताई गई है। मामले में चालक धनुष यादव, निवासी भद्रपुली, सहित कालीचरण साहू को पकड़ा गया है। कालीचरण पर भैंसों को बेचने के लिए ले जाने का आरोप है। वहीं उसके साथ मौजूद रमेश साहू को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसके बारे में बताया गया कि उसे कालीचरण ने 500 रुपये रोजी पर साथ लिया था। भैंसों को खरीदने वाले व्यक्ति के रूप में लोहरा निवासी महेंद्र पवार का नाम सामने आया है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की जांच और कार्रवाई की जा रही है।

आदेश के बाद भी नहीं बदला आंगनबाड़ी केंद्र

बेमेतरा। शहर के वार्ड क्रमांक 08 में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की निर्धारित स्थान पर स्थानांतरित नहीं किए जाने को लेकर एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय ने सख्त रुख अपनाया है। परियोजना अधिकारी मनोरमा साहू ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गोमती तम्बोली को पत्र जारी कर 31 अगस्त 2026 दोपहर 12 बजे तक केंद्र को अन्य अनुकूल किराये के भवन में स्थानांतरित कर संचालन शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

पत्र के अनुसार, विभाग द्वारा पूर्व में भी केंद्र को वर्तमान स्थान से हटाकर किराये के भवन में संचालित करने के निर्देश दिए गए थे। बावजूद इसके निर्धारित समय में स्थानांतरण नहीं किया गया। परियोजना अधिकारी ने अब अंतिम अवसर देते हुए निदेर्शो का पालन करने को कहा है। पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि तय समय-सीमा में केंद्र स्थानांतरित नहीं किया गया तो कार्यालयीन निदेर्शो की अवहेलना मानते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भवन किराये की राशि पर रोक एवं सेवा समाप्ति (बर्खास्तगी) की कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। मामले में परियोजना कार्यालय ने संबंधित अधिकारियों, नगर पालिका तथा वार्ड पार्षद सहित अन्य संबंधितों को भी सूचना भेजी है।

मुद्दे की बात

डॉ.सोनाली चक्रवर्ती के साथ

नशा, बाजार और आत्मबल आज के समाज का द्वंद्व

आज समाज की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक नशा है, और उससे भी बड़ी समस्या है नशे का सहज सुलभ हो जाना। एक समय था जब शराब की दुकानें शहर से बाहर, आबादी से दूर होती थीं। उन्हें एक हद तक सामाजिक कलंक की तरह देखा जाता था। व्यक्ति को लेने जाने में भी संकोच होता था। शराब पीने वाले को असामाजिक समझा जाता था

आज स्थिति बिल्कुल उलट है। अब शराब की दुकानें बीच बाजार में, स्कूल, मंदिर और अस्पताल के रास्तों के बीच शान से खुली हैं। मॉल कल्चर में भी बियर और महंगी शराब आम प्रोडक्ट की तरह सजी मिलती है। नशे ने अपनी जगह बदल ली है, वह छिपने से निकल कर प्रदर्शन की वस्तु बन गया है। लोग आराम से न केवल शराब का नाम लेते हैं बल्कि हर तरह का नाश करने में शान समझते हैं।

सबसे दुखद पहलू है त्योहारों में इसका प्रवेश। पहले त्योहार का अर्थ था मिठाई, मिलना-जुलना और प्रेम। आज शादी हो, जन्मदिन हो या रक्षाबंधन जैसा पवित्र त्योहार, बहुत से लोगों के लिए बिना शराब के जश्न अधूरा माना जाने लगा है। राखी के दिन शराब दुकानों पर लगी भीड़ को देखना मन को विचलित करता है। जो भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है, वही नशे में धुत होकर उस रक्षा के अर्थ को कैसे निभाएगा, यह बड़ा सवाल है।

यह हमारे समाज का दोहरा चरित्र भी दिखाता है। एक तरफ पुलिस प्रशासन स्कूलों में जाकर नशामुक्ति अभियान चलाता है, बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाता है। दूसरी तरफ उसी व्यवस्था के अंतर्गत हर गली-मोहल्ले में लाइसेंस देकर नई दुकानें खुल जाती हैं। एक हाथ रोकता है और दूसरा हाथ परोसता है। इस विरोधाभास में युवा पीढ़ी भ्रमित हो रही है। साथ ही शराब दुकानों के बाहर फेंकी गई शराब से छोटे-छोटे बच्चों तक यह दानव पहुंच जाता है।

यहाँ सवाल सरकार और पुलिस से ज्यादा हमसे है। आखिर दुकान तो अपनी जगह है, पीने का निर्णय तो व्यक्ति का है। क्या हमारा अपना आत्मबल इतना कमजोर हो गया है? क्या हममें सेल्फ कंट्रोल नहीं बचा? सरकार को राजस्व मिलता है, यह सच है, पर उस राजस्व की कीमत कितने टूटे परिवार, कितनी घरेलू हिंसा और कितने सड़क हादसों से चुकाई जा रही है, इसका हिसाब कौन देगा?

समाधान केवल दुकान बंद करने में नहीं है, समाधान संस्कार में है। हमें अपने घरों में फिर से बताना होगा कि नशा स्टेटस सिंबल नहीं, कमजोरी की निशानी है। त्योहारों को फिर से बिना नशे के मनाना सीखना होगा। कानून अपना काम करेगा, पर जब तक व्यक्ति के अंदर से "मुझे नहीं पीना है" की आवाज नहीं आएगी, तब तक कोई भी अभियान सफल नहीं होगा। असली नशामुक्ति बाहर की दुकान बंद होने से नहीं, अंदर के आत्मबल के जागने से आएगी।

पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्टता को मिलेगा सम्मान, टूरिज्म बोर्ड देगा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026'

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड लगातार दूसरे वर्ष विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026 प्रदान करने जा रहा है। पर्यटन को नई पहचान देने और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए 10 श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रत्येक विजेता को 11 हजार रुपए नकद और मेमेंटो दिया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। पर्यटन की पूरी श्रृंखला को किया शामिल - इस बार केवल पर्यटन स्थलों तक सीमित न रखते हुए आतिथ्य, टूर ऑपरेटर, जिला प्रबंधन, स्टार्टअप, होमस्टे, सोशल मीडिया और एडवेंचर पर्यटन तक को जोड़ा गया है।

10 श्रेणियां इस प्रकार हैं

सर्वश्रेष्ठ होटल - MICE सुविधा, टर्नओवर, सतत पर्यटन और रोजगार सृजन के आधार पर चयन

सर्वश्रेष्ठ पंजीकृत टूर ऑपरेटर - आवास, परिवहन, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी

सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन - पर्यटक संख्या बढ़ाने, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन के मानक

सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्टार्टअप/उद्यमिता - नवाचार और नए बिजनेस मॉडल को बढ़ावा

CTB स्टार परफॉर्मर रिसॉर्ट - टर्नओवर, लाभ और ऑक्यूपेंसी के आधार पर

CTB स्टार परफॉर्मर पर्यटक सूचना केंद्र - बुकिंग प्रदर्शन के आधार पर

सर्वश्रेष्ठ होमस्टे - राजस्व, बुकिंग, दिव्यांग सुविधाओं और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा

सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर - छत्तीसगढ़ पर्यटन पर रील्स, वीडियो की पहुंच

सर्वश्रेष्ठ इको-टूरिज्म साइट - कम से कम 2 साल से संचालित, नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, आदिवासी भागीदारी

सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म - कैंपिंग, साहसिक गतिविधियां, सुरक्षा और राजस्व

कैसे करें आवेदन - इच्छुक व्यक्ति और संस्थाएं छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की व`बासाइटX http://www.tourism.cgstate.gov.in से फॉर्म डाउनलोड कर it@visitcg.in पर 15 सितंबर तक भेज सकते हैं।

सारंगढ़ जिला मुख्यालय के ऐतिहासिक नगरी कोसीर में छत्तीसगढ़ के लोकपर्व भोजली का उल्लास, मां कौशलेश्वरी देवी मंदिर में गूंजा - भोजली देवी गीत

वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे / सारंगढ़

छत्तीसगढ़ की धरती को पर्वों की धरती कहा जाता है, जहाँ हर त्योहार मिट्टी, कृषि और रिश्तों से जुड़ा होता है। ऐसा ही एक अनूठा और पवित्र पर्व है भोजली पर्व जो भाई-बहन के अटूट प्रेम और प्रकृति की समृद्धि का प्रतीक है। जिला मुख्यालय के ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी कोसीर में इस वर्ष भी भोजली पर्व को बड़ी हर्षोल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। सावन के महीने में रक्षाबंधन के एक दिन बाद मनाया जाने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ की अस्मिता है। गांव की गलियों में आज सुबह से ही बाजे-गाजे, मांदर की थाप और बहनों के भोजली गीत गूंजते रहे।

क्या है भोजली पर्व की परंपरा और धार्मिक महत्व?

छत्तीसगढ़ में भोजली पर्व की शुरूआत हरियाली अमावस्या के आसपास होती है। इस दिन किसान अपने खेत की उपजाऊ मिट्टी को एक छोटी टोकरी या मिट्टी के पात्र

में लाते हैं, जिसे भोजली की टोकरी कहते हैं। उसमें गेहूं ,धान , जों, राई के दाने बोए जाते हैं। घर की महिलाएं और कुंवारी कन्याएं रोजाना सुबह नहा-धोकर इसमें पानी देती हैं और इसकी पूजा करती हैं।

मान्यता है कि जैसे-जैसे भोजली के अंकुर बढ़ते हैं, वैसे-वैसे घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है। गेहूं के ये नन्हे अंकुर जीवन, उर्वरता और अन्न के देवता का प्रतीक हैं। रक्षाबंधन के दूसरे दिन इन अंकुरों को ही भोजली कहा जाता है। बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र और समृद्धि के लिए भोजली को भाई के कान में लगाकर कहती हैं - "भोजली देवी गे भोजली, गंगा जल के भोजली, जम्मो जम्मो भोजली।" और भाई अपनी बहन को उसकी रक्षा का वचन देता है। यह केवल राखी से भी बड़ा पर्व माना जाता है, क्योंकि इसमें अन्न और मिट्टी की पूजा होती है।

कोसीर में कैसे मना पर्व - देवी मंदिर से बांधा तालाब तक

आज कोसीर में सुबह से ही माताओं और बहनों ने अपने सिर पर भोजली की टोकरियां रखीं और पूरे गांव का भ्रमण किया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं ढोल-मांदर की थाप पर लोकगीत गाते हुए निकलीं। सबसे पहले सभी गांव की ग्राम्य देवी, मां कौशलेश्वरी देवी मंदिर पहुंचे। मां कौशलेश्वरी मंदिर कोसीर की आस्था का सबसे बड़ा केंद्र है। मंदिर परिसर में माताओं-बहनों ने भोजली की टोकरियों को मां के सामने रखा, हल्दी-कुमकुम, चावल से पूजा-अर्चना की और गांव की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और भाई-बहनों के प्रेम के लिए कामना की। पूरा मंदिर परिसर "भोजली देवी की जय" के जयकारे से गूंज उठा।

इस पावन अवसर पर गांव की सरपंच श्रीमती सुमन राजेंद्र राव और कोसीर क्षेत्र की जनपद सदस्य श्रीमती हिरा भैरव नाथ जाटवर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। दोनों जनप्रतिनिधियों ने माताओं-बहनों के साथ बैठकर पूजा-अर्चना की और प्रदेश की समृद्धि की कामना की। सरपंच श्रीमती सुमन राव ने कहा कि भोजली हमारी मिट्टी का पर्व है, इसे सहेजना हमारी जिम्मेदारी है।

पूजा के बाद बाजे-गाजे के साथ पूरा गांव बांधा तालाब पहुंचा, जिसे कोसीर की जीवनदायिनी कहा जाता है। शाम के समय तालाब के किनारे भोजली का विधि-विधान से विसर्जन किया गया। मान्यता है कि भोजली को जल में विसर्जित करने से अन्न और जल दोनों की शुद्धि होती है। विसर्जन के पश्चात सभी ने तालाब के पानी को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर वापस लौटकर देवी मंदिर में भोजली के कुछ अंकुर चढ़ाकर अपना व्रत पूरा किया। इस दौरान गांव के गणमान्य नागरिक, बुजुर्ग, युवा और बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को भोजली देकर अभिवादन की बधाई दी। कोसीर में भोजली पर्व ने एक बार फिर साबित कर दिया कि छत्तीसगढ़ की परंपराएं आज भी गांव की आत्मा में जीवित हैं। गांव की सरपंच सुमन राव उत्सवों को समृद्ध करने में लगी है उनकी अच्छी पहल की सराहना गांव में हो रही है ।

कार्रवाई कुल 1.50 लाख का मशरूका बरामद कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

ऑपरेशन बाज के तहत लोरमी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3 चोर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन बाज के तहत लोरमी पुलिस ने 24 घंटे के भीतर चोरी के 3 मामलों का खुलासा कर

3 आरोपियों को जेल भेजा है। प्रार्थी विक्की साहू और इरफान बेग की बाइक क्रमांक CG 10 BY 2523 और CG 10AQ 9748 डोगरीपारा से तथा राजू यादव की बाजारपारा स्थित किराना दुकान से सामान चोरी हो गया था।

पुलिस ने त्रिनयन ऐप और सीसीटीवी की मदद से आरोपी मोहम्मद रफीक निवासी देवारपारा और धनीराम मार्को निवासी दुल्लापुर को पकड़ा। उनके कब्जे से 2 चोरी की बाइक और कोटा क्षेत्र से चोरी की गई होंडा एक्स ब्लेड बरामद हुई। वहीं किराना चोरी में अमर देवार को गिरफ्तार कर तेल टीन और नकदी जब्त की गई। कुल 1.50 लाख का मशरूका बरामद कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

तिल्दा में महिला टीचर से रेप केस में आरोपी को मृत्युपर्यंत आजीवन कारावास

रायपुर। तिल्दा में सरकारी महिला टीचर से रेप के बहुचर्चित मामले में 6 साल बाद फास्ट ट्रैक कोर्ट ने फैसला सुनाया है। ADJ विनय कुमार प्रधान की कोर्ट ने आरोपी बालकृष्ण जांगड़े को मृत्युपर्यंत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी की पत्नी अंजना जांगड़े को कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया। घटना 15 मार्च 2021 की है। आरोपी शादी कार्ड देने के बहाने पीड़िता के घर में घुसा और बच्चों के सामने ही रेप किया। विरोध करने पर चाकू से कई वार कर गंभीर रूप से घायल कर फरार हो गया था। पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी में कैद हुई थी।

जांच में सामने आया कि आरोपी की पत्नी अंजना और पीड़िता का पति दोनों कृषि विभाग में पदस्थ हैं। आरोपी को शक था कि उसकी पत्नी पीड़िता के पति से बातचीत करती है, इसी का बदला लेने उसने वारदात को अंजाम दिया। साजिश के तहत आरोपी की पत्नी ने पीड़िता के पति को सरकारी काम के बहाने बुलाया था ताकि पीड़िता घर में अकेली मिले। पुलिस ने तिल्दा थाने में रेप, हत्या का प्रयास और आईटी एक्ट सहित संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। 29 गवाहों की गवाही के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य इतना क्रूर है कि उसे वापस समाज में जाने देना उचित नहीं है। पीड़ित परिवार ने आरोपी की पत्नी को बरी किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करने की बात कही है।

सिलतरा पुलिस का देर रात चला अभियान, 17 लोगों पर कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर ग्रामीण पुलिस ने थाना सिलतरा क्षेत्र में देर रात विशेष अभियान चलाकर गुंडा-बदमाशों, चाकूबाजों और मारपीट में लिप्त 17 लोगों पर कार्रवाई की। एसपी ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन में थाना प्रभारी राजेन्द्र सिंह कंवर के नेतृत्व में 29 अगस्त की रात यह अभियान चलाया गया।

पुलिस ने गुंडा बदमाश राजेश सिसोदिया के घर दबिश दी, जहां उसकी पत्नी देवकी सिसोदिया के कब्जे से 25 पौवा देशी शराब जब्त कर आबकारी एक्ट में कार्रवाई की गई। वहीं फरार आरोपी टिकेश्वर निषाद उर्फ ऑटो के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की गई। मारपीट, चाकूबाजी, छीनाझपटी और संपत्ति संबंधी अपराधों में लिप्त 17 लोगों पर बीएनएसएस की धारा 170, 126, 135(3) के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

साइबर जागृति अभियान को जन-जन तक पहुंचाने दुर्ग पुलिस की नई पहल

35 से 40 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स व कंटेंट क्रिएटर्स ने बैठक में शामिल होकर साइबर जागृति अभियान में सहभागिता की इच्छा व्यक्त की

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा दिनांक 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक संचालित साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत दुर्ग पुलिस द्वारा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स को अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। बैठक में लगभग 35 से 40 इन्फ्लुएंसर्स शामिल हुए तथा उन्होंने साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की।इतिहास छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम, नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को साइबर जागरूकता अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक साइबर जागृति अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में दुर्ग पुलिस द्वारा जिले के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लगभग 35 से 40 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स शामिल हुए। उन्हें साइबर जागृति अभियान के उद्देश्यों एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक के दौरान इन्फ्लुएंसर्स द्वारा साइबर क्राइम से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाएं व्यक्त करते हुए प्रश्न पूछे गए। ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराध से बचाव तथा साइबर अपराध होने की स्थिति में पुलिस को सूचना देने की प्रक्रिया से संबंधित प्रश्नों पर पुलिस अधिकारियों द्वारा आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया गया।

दुर्ग पुलिस द्वारा इन्फ्लुएंसर्स को बताया गया कि सोशल मीडिया आज आम नागरिकों तक कम समय में व्यापक स्तर पर जानकारी पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। इसलिए वे अपनी रचनात्मकता एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग साइबर अपराध से बचाव और जागरूकता संबंधी संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में करें। इन्फ्लुएंसर्स से अपील की गई कि वे साइबर जागृति अभियान से संबंधित ऐसे फोटो, वीडियो, रील्स एवं अन्य डिजिटल कंटेंट तैयार करें, जिनके माध्यम से आम नागरिकों को साइबर ठगी से बचाव, संदिग्ध लिंक एवं कॉल से सावधानी, ओटीपी अथवा बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने तथा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के संबंध में सरल भाषा में जागरूक किया जा सके।

बैठक में शामिल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स द्वारा छत्तीसगढ़ पुलिस की साइबर जागरूकता पहल से जुड़कर अपना योगदान देने की इच्छा व्यक्त की गई। उनके द्वारा कहा गया कि साइबर अपराधों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों में सोशल मीडिया के माध्यम से सहयोग करना उनके लिए भी एक सकारात्मक सामाजिक सहभागिता होगी। इन्फ्लुएंसर्स ने अभियान के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर साइबर जागरूकता संदेशों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की सहमति व्यक्त की।

दुर्ग पुलिस द्वारा यह भी बताया गया कि साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत सोशल मीडिया पर साइबर अपराध जागरूकता से संबंधित प्रभावी एवं उपयोगी कंटेंट तैयार कर व्यापक स्तर पर जागरूकता उत्पन्न करने वाले कंटेंट क्रिएटर्स को पुलिस द्वारा सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की बैठक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं साइबर जागृति अभियान के नोडल अधिकारी मणिशंकर चंद्रा तथा सहायक नोडल अधिकारी सब इंस्पेक्टर डॉ. संकल्प राय द्वारा आयोजित की गई। बैठक में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स को अभियान से जोड़ने तथा साइबर जागरूकता को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

रायपुर में एम्स के सामने अतिक्रमण पर पुलिस का शिकंजा, यातायात पुलिस ने 10 ठेले किए जप्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुलिस उपायुक्त यातायात एवं प्रोटोकॉल, पुलिस कमिश्नरेट रायपुर डॉ. अर्चना झा के निदेर्शानुसार शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु यातायात पुलिस द्वारा लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सामने सड़क किनारे एवं आसपास लगने वाले ठेले-खोमचे के कारण उत्पन्न हो रही यातायात संबंधी समस्याओं को देखते हुए सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से थाना प्रभारी यातायात टाटीबंध श्री भुनेश्वर साहू द्वारा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर नगर निगम की टीम ह्यप्रहरीह्ल के साथ संयुक्त अभियान चलाया गया।

संयुक्त अभियान के दौरान एम्स के सामने सड़क किनारे एवं आवागमन क्षेत्र में अव्यवस्थित रूप से लगाए गए ठेले-खोमचे एवं अस्थायी अतिक्रमण को हटाया गया। कार्यवाही के दौरान 10 ठेलों को जप्त किया गया, जबकि लगभग 15 से 20 ठेले-खोमचे संचालकों को मौके से हटाया गया। कार्यवाही के पश्चात संबंधित मार्ग एवं आसपास के क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया, जिससे वाहनों के सुगम आवागमन के साथ-साथ पैदल चलने वाले नागरिकों को भी सुविधा मिल सके।

यातायात पुलिस द्वारा ठेला-खोमचा संचालकों को समझाइश दी गई कि सड़क, फुटपाथ अथवा सार्वजनिक आवागमन क्षेत्र में अतिक्रमण कर यातायात व्यवस्था बाधित न करें।

अस्पताल के सामने विशेष रूप से एंबुलेंस एवं आपातकालीन वाहनों के निर्बाध आवागमन को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि एम्स जैसे महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान के सामने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना प्राथमिकता है। मरीजों एवं उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा एंबुलेंस को बिना किसी बाधा के आवागमन उपलब्ध हो, इसके लिए ऐसे स्थानों पर निरंतर निगरानी रखी जाएगी। यातायात पुलिस एवं नगर निगम द्वारा जनहित एवं सुगम यातायात व्यवस्था के उद्देश्य से अतिक्रमण के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रखी जाएगी।

पुलिया तैयार, रास्ता बंद! दो माह से हजारों लोग परेशान

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने कलेक्टर से पूछा—आखिर कब खुलेगा मार्ग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बोरसी-धनोरा मुख्य मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य पूरा हुए करीब दो माह बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद पुलिया को अब तक आम जनता के आवागमन के लिए नहीं खोला गया है। इससे क्षेत्र के हजारों नागरिकों में नाराजगी है और रोजाना लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने मामले में कलेक्टर से तत्काल संज्ञान लेकर जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब मांगने और पुलिया को शीघ्र आवागमन के लिए खोलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, तो आखिर किस वजह से दो महीने से जनता को रास्ते से वंचित रखा गया है?

बोरसी-धनोरा मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी मार्ग से बड़ी संख्या में लोग स्कूल, बाजार और धनोरा-हनोदा सहित आसपास के क्षेत्रों में आवागमन करते हैं। रास्ता बंद होने से लोगों को लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है। अरुण वोरा ने कहा कि दुर्ग शहर में सड़कों और आवागमन की व्यवस्था की हालत पहले ही खराब है, जगह-जगह सड़कें जर्जर हैं और लोगों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में जो काम पूरा हो चुका है, उसे भी जनता के उपयोग के लिए नहीं खोलना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने जिला प्रशासन से कहा कि जनता को और कितने दिन परेशान किया जाएगा? प्रशासन तत्काल मौके का निरीक्षण कर पुलिया को आवागमन के लिए खोले और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करे।

छावनी में जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा, पार्षद पति सहित 12 जुआरी गिरफ्तार, 5 लाख की जब्ती

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए छावनी थाना क्षेत्र के वार्ड 34 कैंप-1 में चल रहे जुए के फड़ पर छापा मारा। मौके से 12 जुआरियों को गिरफ्तार कर 3 लाख 16 हजार 930 रुपए नकद और 12 मोबाइल जब्त किए गए। जब्ती की कुल कीमत 5 लाख 16 हजार रुपए है। थाना छावनी और एसीसीयू की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि एक घर में अवैध जुआ चल रहा है। घेराबंदी कर रेड करने पर सभी जुआ खेलते पकड़े गए। उनके खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई की गई है।

गिरफ्तार आरोपी – महेंद्र कुमार सोनकर फल मार्केट कैंप 2, कलीम खान बाबूलाल किराना कैंप 2, जी शिवा शंकर राव पदमनगर भिलाई-3, आशीष ताम्रकार शंकर नगर दुर्ग, श्रीधर मांझी बालाजी नगर खुसीपार, प्रेमचंद सुंदर विहार जामुल, एन धन राजू संतोषी पारा कैंप 2, भगवत प्रसाद बेरेभाट नंदिनी, सपन चंद्र डे सुभाष नगर नंदिनी रोड, राजेंद्र कुमार कौशिक सेक्टर-2 भिलाई, दिनेश साव कांट्रैक्टर कॉलोनी सुपेला और बलजिंदर सिंह नेहरू नगर भिलाई। बताया जा रहा है कि पकड़े गए आरोपियों में एक पार्षद पति और एक भाजपा मंडल महिला मोर्चा पदाधिकारी का पति भी शामिल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई, 8 आरोपी पकड़े

रायपुर। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने तिल्दा नेवरा क्षेत्र में असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग मामलों में कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर चाकू लेकर दहशत फैलाने वाले 2 आरोपियों को आर्म्स एक्ट में पकड़ा। ग्राम खुडमुड़ी निवासी दानेश्वर टंडन उर्फ जुगरू (22) और सूरज चतुर्वेदी (19) राहगीरों को चाकू दिखाकर डरा रहे थे। वहीं ग्राम बिलाड़ी में मारपीट के मामले में दिनेश पाठक उर्फ टिंगू मेहर (21) और मनीष वर्मा (22) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। इसके अलावा शांति व्यवस्था भंग करने की आशंका पर 4 असामाजिक तत्वों – शंकर बघेल, अजीत बंछोर, कुलेश्वर यादव और दयाराम ध्रुव पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100